



@Qpatrika

@qaumipatrika
hindiinstagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 31 अक्टूबर 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 358 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

● 'आलू से सोना' पर मोदी का तंज: कहा-

बनासकांठा का आलू विश्व प्रसिद्ध, यहां आकर कोई नहीं कहता कि इससे सोना बनाएंगे



कहा कि यहां का आलू दुनियाभर में मोदी की सभा में किसानों के बैठने के मशहूर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा,

बनासकांठा में आकर कोई नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के लोग पहले ही आलू से सोना बना रहे हैं।

गई थीं। इस पर उन्होंने कहा कि देश के लोगों के लिए यह अजुबा होगा कि एक सभा में सभी लोग चारपाई पर बैठे हैं।

बनासकांठा के लोगों ने गांवों की इस पुरानी परंपरा को जिंदा रखा है। अगर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों को बुलाया होता तो यह रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता।

इस दौरान पीएम ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.34 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों को 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की रकम मिलेगी। उन्होंने 14 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही दो नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई।

मोदी ने 'भारत पर्व' का उद्घाटन किया

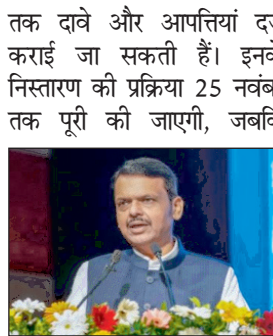
पीएम मोदी ने गुजरात के एकता नगर में 'भारत पर्व' का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां लगी प्रदर्शनी भी देखी। उन्होंने बनासकांठा जिले में 'भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर' के पशु फार्म और 'एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी-इन विट्रो फर्टिलाइजेशन' प्रयोगशाला का भी दौरा किया। ये केंद्र पशु प्रजनन, आनुवंशिक सुधार (जेनेटिक अप्रोडेशन) और उन्नत प्रजनन तकनीकों पर रिसर्च करेंगे। पीएम मोदी ने IVF लैब और भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (BBBRC) का दौरा किया। गुजरात के सीएम और डिप्टी सीएम ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने IVF लैब और भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (BBBRC) का दौरा किया। गुजरात के सीएम और डिप्टी सीएम ने उनका स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को वह एकता नगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे।



महाराष्ट्र में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका बढ़ा

अब 13 नवंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांच लें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 नवंबर 2026 कर दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा समयसीमा बढ़ाए जाने से पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, त्रुटियों को ठीक कराने या आवश्यक आपत्तियां दर्ज कराने का अतिरिक्त अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 31 अगस्त से 13 नवंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं। इनके निस्तारण की प्रक्रिया 25 नवंबर तक पूरी की जाएगी, जबकि



अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को होगा। फडणवीस ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण सावधानीपूर्वक जांचें। यदि किसी नए पंजीकरण, नाम में सुधार या किसी आपत्ति की आवश्यकता है तो उसका आवेदन 13 नवंबर तक अवश्य जमा करें।

बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश

● पायलट समेत 6 यात्रियों की मौत

एजेंसी देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ के पास बद्रीनाथ से सहस्रधारा जा रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच यात्रियों और पायलट की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही उत्तराखंड पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और सेना की संयुक्त टीमों ने बचाव और राहत कार्यों के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। इन टीमों ने पायलट समेत सभी छह लोगों के शव दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम दुर्घटनास्थल से सभी शवों को सड़क मार्ग से जुड़े सुरक्षित स्थान पर ले जाने का अभियान जारी है। पुलिस ने बताया कि निजी विमानन कंपनी द्वारा

संचालित हेलीकॉप्टर के पायलट एचएस. नटराज शामिल हैं। ये सभी कर्नाटक के निवासी थे।



संभरवाले के रूप में हुई है, अधिकारियों ने बताया कि जबकि यात्रियों में प्रताप, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और बच्चा सवार नहीं था।

इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि ट्रांस भारत एविएशन का एक हेलीकॉप्टर दोपहर लगभग 1.12 बजे बद्रीनाथ सिविल हेलीपैड से सहस्रधारा हेलीपैड के लिए रवाना हुआ। दोपहर लगभग 1.14 बजे जोशीमठ के पास विमान से संपर्क टूट गया।

फ्रेंच नेवी के राफेल की आईएनएस विक्रांत पर पहली लैंडिंग

● पहली कोशिश में उतरा, नौसेना में शामिल करने के लिए ट्रायल सक्सेसफुल

एजेंसी हैदराबाद। राफेल मरीन (राफेल-रू) फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को INS विक्रांत पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। INS विक्रांत भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह राफेल मरीन फ्रेंच नेवी का लड़ाकू विमान है। इसे फ्रेंच पायलट उड़ा रहे थे। इन ट्रायल्स से भारतीय नौसेना में राफेल मरीन विमान को ऑपरेशनल बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। भारत को अभी तक राफेल मरीन मिला नहीं है। जिस राफेल मरीन ने INS विक्रांत पर लैंडिंग की, उसे फ्रेंच पायलट (दाएं) उड़ा रहे थे। पायलट ने विक्रांत पर मौजूद अफसरों से

अफसरों से मुलाकात की। जिस राफेल मरीन ने INS विक्रांत पर

मुलाकात की। राफेल-रू का ये ट्रायल



लैंडिंग की, उसे फ्रेंच पायलट (दाएं) उड़ा रहे थे। पायलट ने विक्रांत पर मौजूद अफसरों से

क्यों अहम है समुद्र में जंगी जहाज से लड़ाकू विमान उड़ाना और उसकी

जहाज पर लैंडिंग, सामान्य विमान उड़ाने के मुकाबले बहुत अलग है। राफेल मरीन के मामले में असली चुनौती यही थी कि फ्रांस के लिए तैयार इस विमान को भारतीय जंगी जहाज की तकनीक के अनुकूल बनाया जा सकता है या नहीं। जंगी जहाज से फाइटर प्लेन उड़ाने की दो तकनीकें होती हैं, CATOBAR और STOBAR टेक्नीक। भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने बताया था कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है।

भारत में तेजी से घट रही गरीबी, करीब 50 करोड़ गरीबी रेखा से बाहर आए : वर्ल्ड बैंक

हालांकि, वेतन में असमानता अभी भी काफी अधिक है।

एजेंसी नई दिल्ली। भारत ने गरीबी में बीते एक दशक में दुनिया की सबसे तेज गिरावट में से एक दर्ज की है और देश में 2011 से 2023 के बीच करीब 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह जानकारी वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में दी गई। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में

बताया गया कि 2011 से 2023 के बीच निम्न-मध्यम आय वर्ग (4.2 डॉलर प्रति दिन, 2021 पीपीपी) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गई है। अत्यधिक गरीबी (3.00 डॉलर प्रतिदिन) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में देश में गरीबी में गिरावट की मुख्य वजह खपत में मजबूत वृद्धि, रोजगार में बढ़ोतरी (विशेषकर महिलाओं के बीच), और खाद्य सक्विडि सहित सामाजिक हस्तांतरणों के विस्तार को बताया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में कमी आने का सिलसिला



जारी रहने का अनुमान है, हालांकि इसकी गति थोड़ी धीमी रहेगी। 4.20 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा पर के नीचे रहने वाले लोगों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 2026 में 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, जैसे-जैसे गरीबी कम हुई, यह उन परिवारों के बीच अधिक केंद्रित होती गई, जिनका शिक्षा का स्तर कम था, जिनके पास संपत्ति कम थी, जिन्हें स्थिर रोजगार के अवसर कम मिले थे और जिन पर आश्रितों का बोझ अधिक था। हालांकि, वेतन में असमानता अभी भी काफी अधिक है।

2023 में, सबसे अधिक कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की मीडियन कमाई, सबसे कम कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की तुलना में लगभग 13 गुना थी।

इसके अतिरिक्त, हाल के समय में, 2017 से 2023 के बीच, रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई। यह कामकाजी अर्थ की आबादी में हुई वृद्धि का लगभग दोगुना है। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के वेतन वाले काम में आने से आया है, जिससे प्रति परिवार कमाने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है।

रितायरमेंट से पहले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने राष्ट्रपति से की

एजेंसी नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह शनिवार को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। सेवानिवृत्ति से पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पत्नी सरिता सिंह के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह को एक समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी। वायुसेना प्रमुख राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन गए। इस दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट की। गौरतलब है कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह 31 अक्टूबर 2026 को 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। वहीं रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह को एक समारोह में विशेष रूप से याद किया। उन्होंने

रक्षामंत्री ने दी विदाई



सम्मानपूर्वक विदाई दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने राष्ट्र के प्रति उनके लंबे समर्पण, विशिष्ट सेवाओं और अनुकरणीय नेतृत्व की सराहना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना को मजबूत बनाने में एयर चीफ

आईआरसीटीसी केस

दिल्ली की कोर्ट ने राबड़ी और तेजस्वी को 19 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आईआरसीटीसी हॉटल घोटाले से जुड़े कथित धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी यादव को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। कार्यवाही के दौरान, राबड़ी देवी के वकील ने बताया कि वे स्वास्थ्य कारणों से अदालत में पेश होने में असमर्थ हैं। तेजस्वी यादव के मामले में, उनके वकील ने कहा कि उनकी पत्नी 2 में देरी हो गई है और वे औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दोपहर 2 बजे तक अदालत में पेश हो सकते हैं। हालांकि, अदालत ने दोनों को उस दिन के लिए छूट दे दी और मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय कर दी।



दिसंबर में ब्रसेल्स जाकर भारत-ईयू एफटीए पर हस्ताक्षर करेंगे पीएम मोदी: यूरोपीय परिषद अध्यक्ष

एजेंसी नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में ब्रसेल्स का दौरा करेंगे, जहां भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किए जाएंगे। कनाडा में मॉन्ट्रियल काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कोस्टा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी दिसंबर में इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए आएंगे।' यह दौरा 17 दिसंबर से ब्रसेल्स में शुरू होने वाली यूरोपीय नेताओं की बैठक से ठीक पहले होने की संभावना जताई जा रही है। भारत और यूरोपीय संघ ने इस वर्ष की



पिछले सप्ताह केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

पीयूष गोयल ने कहा था कि समझौते पर

हस्ताक्षर होने के चार से पांच महीने के भीतर

इसे लागू किया जा सकता है।

शुरुआत में व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी कर ली थी। माना जा रहा है कि यह समझौता 2 अरब से अधिक लोगों को कवर करने

वाला एक विशाल बाजार तैयार करेगा, जिसकी हिस्सेदारी वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग एक-चौथाई होगी।

हिमांशु भाऊ–काला असौदिया गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, हत्या और डकैती के मामलों में था वांछित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण जिला दिल्ली पुलिस ने हिमांशु भाऊ –काला असौदिया गिरोह के एक सदस्य हरियाणा के झज्जर निवासी मनीष उर्फ अजय उर्फ भोला (30) को गिरफ्तार किया है। आरोपी, जो हत्या और डकैती के दो मामलों में भगोड़ा घोषित था। दक्षिण जिले के पुलिस उपअ्युक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल ने बताया कि उसके पास से एक पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वह बाहरी दिल्ली के मुंडका थाने में 2025 में दर्ज हत्या के एक मामले और 2019 में दर्ज डकैती के एक मामले में वांछित था और दोनों मामलों में उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस ने बताया कि 27 अक्तूबर की रात गुप्त सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंचार्ज इंसपेक्टर अनुज कुमार, एएसआई अशोक कुमार व एएसआई पंकज राजाजी की टीम ने दक्षिण दिल्ली के जौनापुर में मंडी रोड स्थित नीम करौली के पास जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ा गया। डीसीपी मित्तल ने बताया कि इस संबंध में फतेहपुर बैरी थाने में 27 अक्तूबर को शत्रु अधिनियम के तहत अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ हरि नगर थाने में 2021 में मारपीट और बर्बरगढ़ सदर थाने में 2018 में शस्त्र अधिनियम के तहत भी मामले दर्ज हैं। इसके अलावा मुंडका थाने में 2019 में हत्या के प्रयास और लुट से संबंधित एक अन्य मामला भी दर्ज है। पुलिस हथियार के स्रोत और उसके अन्य साथियों के बारे में जांच कर रही है।

यूनियन बैंक को 47 लाख के आभूषण गवन के लिए महिला को मुआवजा देने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को एक महिला के लॉकर से 47 लाख रुपये मूल्य के आभूषणों के गबन के लिए मुआवजा देने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संगीता धीगरा सहलग और सदस्य बिमला कुमारी की खंडपीट ने मोनिका मारवाह बनाम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मामले में यह आदेश पारित किया। आयोग ने कहा कि बैंक यह साबित करने में विफल रहा कि लॉकर सरेंडर किया गया था या उसकी सामग्री शिकायतकर्ता को वापस की गई थी। आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा, शिकायतकर्ता और उनके दिवंगत ससुर के लॉकर की सामग्री की कोई रसीद प्रतिवक्षी पक्ष द्वारा कथित सरेंडर के समय प्रदान नहीं की गई। इससे स्पष्ट है कि शिकायतकर्ता की वस्तुओं का गबन किया गया और उन्होंने कभी अपना लॉकर सुविधा सरेंडर नहीं की। मामले के अनुसार, मोनिका मारवाह और उनके कनका जोईट लॉकर 1998 से यूनियन बैंक की नारायणा विहार शाखा में था। ससुर ने 2005 में लॉकर का संचालन किया था और उनकी मृत्यु 29 अगस्त 2010 को हो गई। जब मोनिका 1 सितंबर 2018 को लॉकर खोलने पहुंचीं तो बैंक ने बताया कि लॉकर 22 जनवरी 2015 को ही सरेंडर कर दिया गया था। मोनिका ने बैंक के इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने कभी लॉकर बंद करने का अनुरोध नहीं किया था और न ही उन्हें कोई सूचना मिली थी। उन्होंने लगभग 47 लाख रुपये मूल्य के आभूषण गायब होने का आरोप लगाया। आयोग ने नोट किया कि बैंक ने लॉकर सरेंडर की कोई रसीद या मोनिका द्वारा सरेंडर का अनुरोध करने वाला कोई पत्र पेश नहीं किया। यहां तक कि अगर बैंक की गलती सद्भावपूर्ण भी हो, तो भी सरेंडर का सतूत पेश करना जरूरी था। आयोग ने यूनियन बैंक को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता को 47 लाख रुपये का भुगतान करे। साथ ही, 1 सितंबर 2018 से 27 अक्टूबर 2026 तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी देना होगा। यह भुगतान दो माह के अंदर करना होगा।

एम्स में 897 लोगों की क्षमता वाला आश्रय स्थल तैयार

–**मरीजों और तीमारदारों को मिलेगी राहत, 40 गुना इलेक्ट्रिक शटल भी चला रहा प्रशासन**

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाज के लिए दिल्ली आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अब एम्स में खुले आसमान के नीचे या अस्थायी तबुओं में रहने की परेशानी से राहत मिलेगी। एम्स के ट्रॉमा सेंटर एक्स्टेंशन कैम्पस में 897 लोगों की क्षमता वाला नया आश्रय स्थल तैयार किया गया है। करीब 2,970 वर्ग मीटर में बने इस भवन में बैठने, आराम करने और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएन) ने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत कराया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नट्टा ने आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एम्स में चल रहे विेश्वर स्वच्छता अभियान और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को भी जायजा लिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, परिसर की नियमित सफाई, शौचालयों की देखरेख और सफाई कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पानी-बिजली की बचत पर जोर- एम्स में 11 संयंत्रों के जरिए गंदे पानी को साफ किया जा रहा है। इससे प्रतिदिन करीब 19.6 लाख लीटर पानी बागवानी में इस्तेमाल होता है। वहीं, बिजली की खपत में 10.5 प्रतिशत कमी से जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच करीब 1.98 करोड़ रुपये की बचत हुई। मरीजों और तीमारदारों की सुविधा के लिए परिसर में 40 मुफ्त इलेक्ट्रिक शटल भी चलाई जा रही हैं। नट्टा ने सफाई कर्मचारियों से बातचीत कर उनके योगदान की सराहना की।

सीमापुरी हादसे में तय होगी जवाबदेही, मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश

–**गृह मंत्री आशीष सूद ने दिए जांच के आदेश, डीएम करेगे पड़ताल**

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यू सीमापुरी में इमारत गिरने की घटना में सरकारी विभागों और उनके अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाएगी। गृह मंत्री आशीष सूद ने हादसे में मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए हैं। उतर-पूर्वी जिले के जिला मजिस्ट्रेट घटना के वास्तविक कारणों से लेकर भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन और सरकारी स्तर पर हुई संभावित लापरवाही की पड़ताल करेंगे। जांच में दोषी पाए जाने वाले भवन मालिकों, एजेंसियों और अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1 अक्टूबर को दोपहर करीब तीन बजे न्यू सीमापुरी के मकान संख्या ई–402 में चार–पांच मंजिला आवासीय इमारत ढह गई थी। यह इमारत महज 20 से 25 वर्ग गज के भूखंड पर बनी थी। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। आसपास की तीन अलग इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा। एमसीडी ने उन्हें असुरक्षित घोषित कर खाली करा दिया था। प्रारंभिक जांच में इमारत गिरने की संभावित वजह पास में चल रहे अतिक्रम निर्माण स्थल पर भारी और कंठन पैदा करने वाली मशीनों से जो का री तौड़फोड़ बताई गई है। आसपास की दूसरी इमारतों में भी संरचनात्मक कमजोरी मिली है। इनमें पर्याप्त कॉलम और बीम के बिना निर्माण किए जाने की बात सामने आई है।

नियमों का उल्लंघन या विभागों की चूक- मजिस्ट्रेटी जांच में भवन निर्माण नियमों और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के साथ सरकारी विभागों और नागरिक निकायों की भूमिका भी देखी जाएगी। जांच अधिकारी चला पाए लगाने के किसी स्तर पर निगरानी में चूक या लापरवाही तो नहीं हुई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के क्रियावन्धन की समीक्षा कर भविष्य में ऐसे हादसे रोकने के लिए स्थायी उपाय भी सुझाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार प्रावित परिवारों को हरसंभव सहायता देगी। किसी दोषी या लापरवाही बरतने वाले अधिकारी को बर्खा नहीं जाएगा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 1 नवंबर से संशोधित ग्रैप नियमों के तहत वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने संशोधित ‘ग्रेडेड रिस्रॉन्स एक्शन प्लान’ (ग्रैप) के तहत राष्ट्रीय राजधानी में वाहनों के प्रवेश पर पाबंदियां लगाय की घोषणा की है। ये पाबंदियां 1 नवंबर, 2026 से लागू होंगी। पुलिस ने वाहन चालकों से यात्रा करने से पहले अपने वाहनों की पात्रता जांच लेने की अपील की है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक्स पोस्ट में कहा कि संशोधित ग्रैप नियमों के तहत वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण को कम करने और हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कुछ श्रेणियों के वाहनों पर प्रतिबंध लागू होंगे। एक्वाइसरी के अनुसार, बीएस–6 मानक वाले वाहनों, सीएनजी वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहनों और छूट प्राप्त वाहनों को नियमों के अधीन प्रवेश की अनुमति होगी। ये प्रतिबंध उन वाहनों पर लागू होंगे जो बीएस–6 उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं या जिनके पास वैध ‘पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट’ (पीयूसीसी) नहीं है। संशोधित नियमों के तहत मानकों को पूरा न करने वाली अंतरराज्यीय बसों पर भी प्रतिबंध लागू होंगे।

दृष्टिबाधित युवाओं द्वारा संचालित ‘कैफे मस्त’ में मुख्यमंत्री ने किया भोजन

–व्हाइंड रिलीफ एसोसिएशन के दिवाली बाजार का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली स्थित व्हाइंड रिलीफ एसोसिएशन के परिसर में आयोजित प्रसिद्ध ‘दिवाली बाजार 2026’ का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। उन्होंने बाजार में लगे विभिन्न स्टॉलों का दौरा किया, खरीदारी की और दृष्टिबाधित व्यक्तियों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दृष्टिबाधित युवाओं द्वारा संचालित ‘कैफे मस्त’ में भोजन भी किया। यह कैफे संस्था

चाणक्यपुरी में नवीनीकृत गोवा निवास का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

–**भारत का मिनी इंडिया है**

दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चाणक्यपुरी स्थित नवीनीकृत गोवा निवास का शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोवा सरकार और भवन के जीर्णोद्धार से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद और गोवा सरकार के मंत्री दिगंबर बी. कामत भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि गोवा निवास का नया स्वरूप अत्यंत आकर्षक और भव्य है।



भवन की पूरी वास्तुकला गोवा की पारंपरिक शैली और सांस्कृतिक आत्मा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यहां उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं,

सुंदर कमरे और प्रत्येक तल का गोवा की पवित्र नदियों के नाम पर नामकरण करना अपने आप में एक अनूठी पहल है। यह प्रयास न केवल इस भवन को

दिल्ली की प्लानिंग अब एनसीआर को साथ लेकर : एलजी

–**पानी, परिवहन और आवास**

की समस्याएं प्रशासनिक

सीमाओं से आगे जाकर

सुलझाई जाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की आवास, परिवहन, जल निकासी और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अब पूरे एनसीआर को ध्यान में रखकर एकीकृत योजना तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर जमीन के इस्तेमाल, आवास और परिवहन ढांचे का विकास किया जाएगा। साथ ही, शहर की सड़कें और सार्वजनिक सुविधाएं महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों के अनुकूल बनाई जाएंगी। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को युवा नगर नियोजकों के सेमिनार में शहरी विकास की प्राथमिकताएं गिनाते हुए ये बातें कहीं। विश्व पर्यावास दिवस, विश्व नगर दिवस और विश्व नगर नियोजन दिवस के अवसर पर आयोजित सेमिनार में उपराज्यपाल ने कहा कि

घर के साथ रोजगार और कनेक्टिविटी भी जरूरी

उपराज्यपाल ने कहा कि केवल किफायती आवासों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि लोगों को घर के आसपास रोजगार, सार्वजनिक परिवहन, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। आवासीय क्षेत्रों का विकास इस तरह किया जाना चाहिए कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लोगों को लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

जल निकासी और जल संरक्षण पर जोर



उन्होंने कहा कि जल निकासी, वर्षा जल संचयन और जलाशयों के संरक्षण के लिए एकीकृत योजना तैयार करनी होगी। प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को सुरक्षित रखने के साथ विकास कार्यों में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

...सुरक्षित और समावेशी हों सड़कें

उपराज्यपाल ने कहा कि सड़कें और सार्वजनिक परिवहन महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक होने चाहिए। शहरी नियोजन में लोगों की रोजमर्रा की यात्रा को आसान बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

‘ओदी जी’ और ‘गुन्नू’ के बहाने सरकार पर निशाना, सीजेपी ने सुझाए नए कूटशब्द

–**आशुतोष रांका ने समर्थकों से व्यंग्य**

और हारस्य के जरिए सोशल मीडिया पर

अपनी बात रखने की अपील की, कहा—

नाम लेने के बजाय सांकेतिक भाषा का

करें इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संस्थापक आशुतोष रांका ने सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के लिए समर्थकों को सांकेतिक भाषा और व्यंग्य का सहारा लेने की सलाह दी है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री और मंत्रियों के नाम सीधे लेने पर सामग्री को हटाए जाने या खातों पर कार्रवाई होने का खतरा हो सकता है। ऐसे में उन्होंने समर्थकों से कूटशब्दों के माध्यम से अपनी बात कहने और गंभीर राजनीतिक मुद्दों को हास्य के साथ प्रस्तुत करने की अपील की है। रांका का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब सोशल मीडिया मंचों पर राजनीतिक सामग्री

को दृश्यता, नियमों के पालन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस जारी है। उन्होंने अपने संदेश में आशंका जताई कि सरकार की आलोचना करने वाले वीडियो और अन्य सामग्री को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि, उनके दावे के समर्थन में किसी विशिष्ट सामग्री को हटाए जाने या खातों पर कार्रवाई किए जाने का स्वतंत्र प्रमाण सामने नहीं आया है।

सरकार की आलोचना के लिए सांकेतिक भाषा का सुझाव

आशुतोष रांका ने अपने वीडियो में कहा कि भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती, मेट्रो और रेल सेवाओं को बंद करने तथा विमान से उतारें जाने जैसे घटनाओं के बावजूद संबंधित लोगों को संतुष्ट नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब सोशल मीडिया पर भी विरोध की आवाजों को सीमित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि आने वाले समय में सोशल मीडिया पर केवल उन्हीं लोगों की जगह मिलेगी, जिन्हें व्यवस्था स्वीकार करती है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश और ठंडी हवाओं से बदला मौसम का मिजाज, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार को पूरे एनसीआर में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बौती ढेर रात से ही रुक-रुक कर हो रही बारिश की वजह से तापमान में तेजी से गिरावट आई है, जिससे लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। इस दिन अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम

तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तेज हवा और बारिश के चलते तापमान में आई इस गिरावट ने मौसम को काफी सुहावना बना दिया है। बारिश के कारण हवा में मौजूद प्रदूषण के गुण कम हो गए हैं, जिससे वायु प्रदूषण में सुधार देखने को मिला है। मौसम विभाग के अनुसार, 31 अक्टूबर को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

वहीं, नवंबर की शुरुआत यानी 1, 2, 3 और 4 नवंबर को मौसम साफ रहने की संभावना है। इन दिनों साफ आसमान रहेगा। इन दिनों अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक येलो अलर्ट जारी है और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। ऐसे में लोगों को सलाह दी जाती है कि तेज हवाओं के चलते पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।



केवल एक ही बारिश का मौसम

इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी दिवाली बाजार में खरीदारी की। उन्होंने कहा कि इस बार मुख्यमंत्री जनसेवा सदन के लिए आवश्यक सजावटी और उपयोगी सामान इस मेले से भी खरीदा जाएगा। यहां दृष्टिबाधित कारीगरों और युवाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद उनकी मेहनत, कला और रचनात्मकता का परिचय देते हैं। ऐसे उत्पादों को खरीदना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि इन प्रतिभाशाली लोगों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे इस दिवाली बाजार में आएँ, यहां के उत्पाद खरीदें और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के हुनर को प्रोत्साहित करने में अपनी भूमिका निभाएं।



टूटी सड़कों और जलभराव से लोग हो रहे परेशान : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में हुई बारिश के चलते सड़कों पर लग रहे जाम को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गुरुवार से दिल्ली में भारी बारिश के बाद टूटी सड़कों, जल भराव और बाधित जल निकासी से जनता की परेशानियों में बढ़ोतरी हुई है। रख रखाव करने वाली सिविक एजेंसियां इस दौरान पूरी तरह नाकाम साबित हुई हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि जब भी दिल्ली में बारिश होती है तो प्रमुख मार्ग अवसर कचरे के साथ जलमग्न हो जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। यात्री यातायात में घंटों फंसे रहने से जनता का आक्रोश और सरकार के प्रति निराशा बढ़ रही है। बारिश में जल भराव और यातायात जाम होना साबित करता है कि भाजपा की सरकार सड़कों की मरम्मत और रखरखाव सहित नागरिक सुविधाओं के व्यवस्थित करने में अभी तक नाकाम साबित हुई है। नागरिक सुविधाओं और सड़कों के रखरखाव के प्रति भाजपा की उदासीनता पिछली आम आदमी पार्टी की पुनरावृति है।

दिल्ली में बम धमकी देने वाला यूपीएससी अभ्यर्थी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुखर्जी नगर में बम विस्फोट की धमकी देने के मामले में पुलिस ने 23 वर्षीय युवक को कानपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, उसने अपने पूर्व साथी को डराने के लिए लाहौर स्थित एक संगठन से जुड़ा होने का झूठा दावा करते हुए धमकी दी थी। पुलिस के मुताबिक, 27 अक्टूबर की रात मुखर्जी नगर की इंद्रा विकास कॉलोनी में रहने वाले सिविल सेवा अभ्यर्थियों को एक अज्ञात दूरभाष नंबर से बम विस्फोट की धमकी मिली थी। फोन करने वाले ने खुद को पाकिस्तान के लाहौर स्थित एक संगठन से जुड़ा बताया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर–पश्चिम जिला पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और दूरभाष संबंधी जानकारी के आधार पर जांच शुरू की। इसके बाद आरोपित की पहचान कर उसे कानपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, उसने अपने पूर्व सहवासी के साथ शराबत करने के इरादे से यह धमकी दी थी। मामले में आगे की जांच जारी है।

नशे में युवक ने घर में लगाई आग, सिलिंडर फटने से दमकलकर्मी झुलसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जहांगीरपुरी स्थित ई–ब्लॉक में शुक्रवार को एक युवक ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपने घर में आग लगा दी। इस दौरान घर में रखा गैस सिलिंडर फट गया, जिसकी चपेट में आने से दमकलकर्मी अकित गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 30 वर्षीय भारत ने पहले घर में रखे कपड़ों, फिर अलमारी और उसके बाद गैस सिलिंडर में आग लगा दी। घर से धुआं उठता देखकर लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। आग बुझाने के दौरान सिलिंडर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे मौके पर मौजूद दमकलकर्मी अकित झुलस गए। सहकर्मियों ने उन्हें तत्काल बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपित भारत को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक अवसर नशे की हालत में हंगामा करता था।

डीएचएफएल के पूर्व प्रमोटरों के खिलाफ अतिरिक्त आरोप तय करने की सीबीआई याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिलेंट ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें पूर्व डीएचएफएल प्रमोटर कपिल वधावन और धीरज वधावन के खिलाफ कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में आईपीसी की धारा 409 और 467 समेत अतिरिक्त आरोप तय करने की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि वह अपने आरोप–निर्धारण के आदेश की समीक्षा नहीं कर सकती, सिवाय लिपिकीय या टंकण संबंधी त्रुटियों को सुधारने का राउज एवेन्यू जिला अदालत के विरुद्ध न्यायाधीश (सीबीआई) संजीव कुमार मह्लोत्रा ने 29 अक्टूबर को यह आदेश पारित किया। सीबीआई ने धारा 216 सीआरपीसी के तहत 30 जुलाई 2026 को तय किए आरोपों में संशोधन की अर्जी दायर की थी। एजेंसी ने कपिल वधावन और धीरज वधावन के खिलाफ धारा 409 आईपीसी तथा दोनों भाइयों और सह–अभियुक्त एस.एम.एन. नकवी के खिलाफ धारा 467 आईपीसी के आरोप तय करने की मांग की थी। इसके अलावा सभी अभियुक्तों के खिलाफ धारा 120बी आईपीसी के तहत अपराधिक षड्यंत्र का व्यापक आरोप भी तय करने की मांग की गई थी। विशेष लोक अभियोजक अनुपम एस. शर्मा ने सीबीआई की ओर से तर्क दिया कि धारा 216 सीआरपीसी अदालत को फैसला सुनाए जाने से पहले किसी भी चरण में आरोप बदलने या जोड़ने का अधिकार देती है। उन्होंने कहा कि साक्ष्य रिकॉर्डिंग अभी हाल ही में शुरू हुई है और केवल औपचारिक गवाहों की परीक्षा हुई है, इसलिए अभियुक्तों को कोई नुकसान नहीं होगा। वहीं, कपिल वधावन और धीरज वधावन की ओर से अधिवक्ता नागेश बेहल और विशाल गौरव ने विरोध करते हुए कहा कि सीबीआई उन मुद्दों को फिर से खोलना चाहती है, जिन पर अदालत ने 30 जुलाई के विस्तृत आदेश में पहले ही विचार कर फैसला सुनाया है।

छह साल की मासूम को मिली नई जिंदगी, जन्मजात दिल की बीमारी का हुआ सफल इलाज

नई दिल्ली। जन्म से ही गंभीर दिल की बीमारी से जुड़ा रही एक छह साल की बच्ची कनिष्का का सफल इलाज कर डॉक्टरों ने उसे नई जिंदगी दी है। जन्म से ही कनिष्का को दिल की गंभीर समस्या थी, जिसमें उसके दिल का एक हिस्सा ठीक से काम नहीं कर रहा था। डॉक्टरों ने उसकी बीमारी को सिंगल वेंट्रिकल नाम की जटिल स्थिति बताया। इसके साथ ही उसके दिल में कुछ अन्य गंभीर समस्याएं भी थीं। 2020 में उसका पहला ऑपरेशन हुआ था। अब हाल में उसकी हालत बिगड़ने लगी थी। सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी और उसके होंठ और शरीर नीले पड़ने लगे थे। उसका ऑक्सीजन स्तर बहुत कम होकर 70 फीसदी तक गिर गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद फैसला किया कि अब उसका अंतिम और सबसे ऑपरेशन फॉन्टन सर्जरी करना चाहिए। इस ऑपरेशन में दिल के निचले हिस्से से आने वाले

खून को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाया जाता है, ताकि दिल पर बोझ कम हो जाए। यह सर्जरी एकस्ट्राकार्डियक फॉन्टन नाम की तकनीक से की गई। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। सर्जरी के अगले ही दिन बच्ची को वेंटिलेटर से हटा दिया गया। सिर्फ सात दिन में कनिष्का को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। मौजूदा समय में उसका

ऑक्सीजन स्तर बढ़कर 95 फीसदी हो गया है और वह अच्छा महसूस कर रही है। अस्पताल के हृदय सर्जरी विभाग के डॉ. यतीन अरोड़ा ने बताया कि सिंगल वेंट्रिकल जैसी जटिल समस्या का इलाज कई चरणों में करना पड़ता है। फॉन्टन सर्जरी के सफल होने से कनिष्का का जीवन अब काफी बेहतर हो जाएगा।

दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे के नीचे बनेगा

पहला मेगा पार्किंग चार्जिंग हब

नई दिल्ली। दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे से अब सिर्फ सफर ही नहीं, बल्कि इसके आसपास के बाजारों की तस्वीर भी बदलने लगी है। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर मार्केट के पास बड़ा इंटीग्रेटेड पार्किंग और चार्जिंग हब बनने जा रहा है। ये हब दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे के नीचे विकसित किया जाएगा। इस पर जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत करीब 3,200 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। 1,200 चार्ज पार्किंग और 2,000 से अधिक दो पहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट भी बनाए जाएंगे इस बारे में गांधी नगर मार्केट के व्यापारी लंबे समय से मांग कर रहे थे। केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लक्ली ने व्यापारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में मार्केट की पार्किंग समस्या और बढ़ते ट्रैफिक दबाव पर चर्चा हुई थी।

फर्जी एंटी करफ़्शन अधिकारी बनकर युवक का अपहरण, एनकाउंटर की धमकी देकर मांगे 50 लाख

मेरठ। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र में एंटी करफ़्शन अधिकारी बनकर कार सवार पांच बदमाशों ने कुछ गांव निवासी छिंदा कर अचहरण कर लिया। बदमाशों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी (बैटिंग) की रकम के लालच में छिंदा को किड़नाई किया और छोड़ने के एवज में 50 लाख रुपये की फिरोती मांगी। रकम न मिलने पर एनकाउंटर की धमकी दी और बाद में पीडित को सड़क पर

छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कुछा गांव निवासी पीडित छिंदा सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार शाम जब वह पैदल अपने गांव की तरफ जा रहा था, तभी एक बिना नंबर प्लेट की कार आकर रुकी। कार सवार आरोपियों ने उसे जबरन गाड़ी के अंदर खींच लिया

और उसका मोबाइल छीन लिया। जब छिंदा ने विरोध किया तो आरोपियों ने खुद को एंटी करफ़्शन का बड़ा अधिकारी बताया। उन्होंने छिंदा से कहा, तुम्हारे खाते में ऑनलाइन बैटिंग (सट्टेबाजी) के 50 लाख रुपये आए हैं, वो पैसे हमें दे दो, नहीं तो तुम्हारा एनकाउंटर कर जेल भेज देंगे। इसके बाद बदमाशों ने छिंदा के मोबाइल से ही उसके चाचा को फोनकर 50 लाख

रुपये की रंगदारी मांगी। बदमाशों ने छिंदा का बैंक खाता भी चेक किया लेकिन जब उसमें पैसे नहीं मिले तो उन्होंने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। पुलिस की नाकेबंदी और पकड़े जाने के डर से बुधवार देर रात बदमाश पीडित को झब्बापुरी गांव के बाहर सड़क पर फेंककर भाग गए। सूचना पर एसी प्रदेहात अधिभोजत कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज की मदद से बदमाशों की कार का सुराग मिला जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर झारखंडी मॉर्देर के पास से पांचों आरोपियों को बंदोब लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान झब्बापुरी निवासी मुरसलीन, मोनु व आशीष और लुक्सर निवासी इकबाल व फिरोज के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में

इस्तेमाल की गई कार, 5 मोबाइल फोन, दो फर्जी आईडी कार्ड और एक वॉकी–टॉकी बरामद किया है। बदमाशों ने पुलिस और जनता को धोखा देने के लिए अपनी कार पर एंटी करफ़्शन सोशल वेलफेयर एसोसिएशन संगठन की प्लेस्ट लगा रखी थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी मुरसलीन और मोनु को यह मुखबिरी मिली थी कि छिंदा के पास ऑनलाइन सट्टे का मोटा पैसा आया है, जिसके बाद उन्होंने फर्जी अधिकारी बनकर अपहरण का यह पूरा ताना–बाना बुना था। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल खंगालकर उनकी पुरानी क्राइम हिस्ट्री का पता लगा रही है।

NAME CHANGE
I, ABDUL HAMID S/O MD JUNAID R/O H NO-786, STREET NO-6, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ABDUL HAMEED for all purposes.

NAME CHANGE
I, MEHASHAR W/O MOHAMMAD IMRAN R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to MEHASHAR IMRAN for all purposes.

NAME CHANGE
I, IMRAN MOHAMMAD S/O ABDUL HAMEED R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025, Declare that my given name is IMRAN and my surname is MOHAMMAD

NAME CHANGE
I, hitherto known as KEDAR NATH KUSHWAHA son of KANHAI resid- ing at Tandawa, Tandwa M. Kajipur Siraj, DIST: Ghazipur, Uttar Pradesh 233227 have changed my name and shall hereafter be known as KEDAR SINGH KUSHWAHA.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गान्धी बिस्वा और श्रीमती पूरम, श्रीमती राधा रानी (स्वर्गीय श्री योगेश चंद शर्मा की पत्नी) से एक संपत्ति खरीदने जा रही हैं। यह संपत्ति म्युनिसिपल नंबर 1430, गली नंबर 98, गणेश पुरा, त्रि नगर, नई दिल्ली 110035 पर स्थित है। इसमें पूरी तथ्यांी मौजिल शामिल है (लेकिन छत्र के अधिकार शामिल नहीं हैं)। श्रीमती राधा रानी इस संपत्ति को मालिक हैं, जो उन्हें 06.09.2014 को हुए एक रिलिजिएशंसर्ट डीड (अधिकार त्याग विलेख) के जरिए मिली थी। इसे श्री मनोष शर्मा (स्वर्गीय श्री योगेश चंद शर्मा के बेटे) ने निष्पादित किया था। यह दस्तावेज SR-VIA, नई दिल्ली में 08.09.2014 को दर्ज किया गया था (डॉक्यूमेंट नंबर 10082, युक्त नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 5325, पेज नंबर 29 से 32)। इससे पहले, श्री योगेश चंद शर्मा (स्वर्गीय श्री नानक चंद शर्मा के बेटे) इस संपत्ति के मालिक थे। उन्होंने 26.12.1990 को एक नोटारइन्ड एक्सचेंज डीड (विनियम विलेख) के जरिए श्री दिनेश चंद शर्मा (स्वर्गीय श्री नानक चंद शर्मा के बेटे) के साथ संपत्ति की अदला-चढ़ाती की थी। इस समझौते के तहत, श्री योगेश चंद शर्मा मकान नंबर 1430 (पुराना नंबर 921) के मालिक बने, जबकि श्री दिनेश चंद शर्मा प्लॉट नंबर ९-55, कुश्वा बिहार कालोनी, फुकरकली, दिल्ली के मालिक बने। इस पूरी संपत्ति की खरीद के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (राष्ट्रा का कर्मालय-गाजियाबाद) द्वारा फाइनेंस (ऋण) उपलब्ध कराया जा रहा है। यह किसी व्यक्ति को उक संघर्ष के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, धार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परियार, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल: kumarw@vvaswani@gmail.com

मौ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अभिकापुर ग्राम–केरता तहसील–प्रतापपुर, जिला–सुरजपुर (छठगो)
“रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति/भर्ती हेतु विज्ञापन”

मौ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित अभिकापुर ग्राम–केरता के गन्ना पेराई क्षमता 2500 TCD हेतु निम्नांकित कुल 06 रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति/भर्ती की जानी है। रिक्त पदों पर “मुख्य गन्ना विकास अधिकारी (Chief Cane Development Officer), सहायक अभियंता (विद्युत) (Assistant Enieuger Electrical), मुख्य रसायनविद (Chief Chemist), उप मुख्य रसायनविद (Dy. Chief Chemist) , एवं विनिर्माण रसायनविद (Manufacturing Chemist)” अतः आवेदित अर्ग्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्राथमिक तिथि 01/11/2026 से अंतिम तिथि 14/11/2026 के शाम 05.00 बजे तक रजिस्टर्ड डाक/ई–मेल/व्यक्तिगत मौ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अभिकापुर, ग्राम–केरता, तहसील–प्रतापपुर, जिला–सुरजपुर (छठगो) 497223 के पते पर प्रस्तुत किया जाना है, दिनांक 17/11/2026 को पात्र/अपात्र सूची संस्था वेबसाईड पर जारी किया जावेगा, पात्र अर्ग्यर्थियों का रॉक–इन–इंटरव्यू (WALK-IN-INTERVIEW) दिनांक 20/11/2026, शुक्रवार को मौ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अभिकापुर, ग्राम–केरता, पोस्ट–खड़गवौकला, तहसील–प्रतापपुर, जिला–सुरजपुर (छठगो) (प्रशासनिक भवन सभाकक्ष) में समय प्रातः 10.30 बजे आयोजित किया जावेगा। पात्र अर्ग्यर्थी समस्त शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों के मूल दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होवें। उक्त विज्ञापित पद से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु कारखाना के वेबसाईट www.mahamayasugar.com में अवलोकन कर सकते है।

प्रबंध संचालक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के टूॅनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह फ्लैक्सिबल प्रिटिंग और मेल फेब्रिकेशन का काम करने वाली जावेद फैब्रिकेशन फैक्टरी में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। दमकलकर्मियों ने करीब 35 मिनट की मशक़त के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। दमकल विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह 9ः15 बजे लोनी (टूॅनिका सिटी) फायर स्टेशन की टूॅनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर ए–7, पार्ट–1 स्थित प्लॉट नंबर एफ–18 पर संचालित जावेद फैब्रिकेशन फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही टूॅनिका सिटी फायर स्टेशन से तीन दमकल गाड़ियों घटनास्थल के लिए रवाना की गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार

सिंह ने बताया कि वैशाली फायर स्टेशन से एक वाटर बाउज़र और बागपत के खेकड़ा फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी भी भेजी गई थी, जिन्होंने आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने देखा कि करीब 300 वर्गमीटर के भूखंड पर बने दो मंजिला भवन के भूतल में आग लगी हुई थी। यहां फ्लैक्सिबल प्रिटिंग और मेल फैब्रिकेशन का काम होता है। दमकलकर्मियों ने तत्काल होज पाइप फैलाकर मोटर फायर इंजन की मदद से पानी को बौझर शुरू की। टीम की तत्परता से आग को फैलने से रोक लिया गया और सुबह करीब 9ः50 बजे तक आग पूरी तरह बुझा दी गई। आग बुझाने के बाद दमकलकर्मियों ने मौके पर मौजूद सामान को हटाकर और उलट–पलटकर जांच की। इसके बाद पानी डालकर उठ रहे धुएँ को भी शांत किया गया, ताकि आग दोबारा भड़कने की आशंका न रहे। आग पर जल्द काबू पा लिए जाने के कारण वैशाली और खेकड़ा से रवाना की गई अतिरिक्त दमकल

गाड़ियों को रास्ते से ही वापस लौटा दिया गया। सीएफओ के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के संभावित कारण का अभी पता नहीं चल सका है। अग्निशमन एंड फायर कार्य के दौरान स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही। कार्रवाई पूरी होने के बाद दमकलकर्मियों ने टूॅनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध जल स्रोतों से अपनी गाड़ियों में पानी भरा और लोनी फायर स्टेशन लौट गए।

NAME CHANGE
I, Tasleem S/O Abdul Karim R/o H.No.217, Street No.7, Karampuri Extn, Shahdara, Delhi-110094 have changed my name to Mohammad Taslim.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती राधा रानी अग्रवाल (पत्नी श्री बी.एस. अग्रवाल), खसरा नंबर 411 के अर्वांत अंतर्गत वाले प्लॉट नंबर 61 के एक हिस्से (कुल 165 वर्ग गज़ में से 65.4 वर्ग गज़) को मालकिन हैं। इस हिस्से को दो मंजिला (डबल स्टोरी) मकान बना हुआ है। यह मालिकाना हक 04.10.2000 को एक रजिस्टर्ड GPA (दस्तावेज संख्या 58801, बुक संख्या 4, वॉल्यूम संख्या 7373, पृष्ठ 101–102, SRO– दिल्ली को श्री आई.जे. चौधरी (पुत्र श्री वासुदेव चौधरी) द्वारा निष्पादित एक रजिस्टर्ड बसीयत (Will) के माध्यम से प्राप्त हुआ है। इसके बाद, श्री बी.एस. अग्रवाल को 09.09.2011 को और श्रीमती राज रानी अग्रवाल का 04.10.2018 को निधन हो गया। सुचिक श्री बी.एस. अग्रवाल और श्रीमती राज रानी अग्रवाल कोई SMC (उत्तराधिकार प्रमाण पत्र) उपरान्त नहीं है, इसलिए 02.01.2020 को एक रिलिजिएशंसर्ट डीड (अधिकार त्याग विलेख) निष्पादित की गई। यह विलेख स्वर्गीय श्री बी.एस. अग्रवाल और स्वर्गीय श्रीमती राज रानी अग्रवाल की बेटी सुश्री सुनीता अग्रवाल, उनकी दूसरी बेटी श्रीमती वीणा मांगीक, और उनके पते श्री रजिन्धर सिंहल (पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार), पुत्र श्री रास सिंहल (पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार, जो स्वर्गीय श्री बी.एस. अग्रवाल और स्वर्गीय श्रीमती राज रानी अग्रवाल के पते भी हैं) के पक्ष में निष्पादित किया गया था। यह विलेख दस्तावेज संख्या 79 के रूप में रजिस्ट्रार रजिस्टर्ड है। अतः, यह स्पष्ट और पुष्टि की जाती है कि स्वर्गीय श्री बी.एस. अग्रवाल के केवल निम्नलिखित ही कानूनी उत्तराधिकारी हैं: स्वर्गीय श्री बी.एस. अग्रवाल और स्वर्गीय श्रीमती राज रानी अग्रवाल के कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी नहीं हैं। उनके कानूनी उत्तराधिकारी इस प्रकार हैं: सुश्री सुनीता अग्रवाल (पुत्री), श्रीमती वीणा मांगीकल (पुत्री), श्री रजिन्धर सिंहल (पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार के पुत्र) और श्री रास सिंहल (पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार) के पुत्रों।) ये सभी मोहन गार्ड कालोनी (ब्लॉक–H, उत्तर नगर, नई दिल्ली–110059) में स्थित उप निर्मित संपत्ति (संख्या H–61, क्षेत्रफल 65.4 वर्ग गज बाना 54.68 वर्ग मीटर, नो खसरा संख्या 411) के अर्वांत अंतर्गत है। के मालिक हैं। इस संपत्ति के लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते उक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, गलतफहमि हक या कोई पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrassociateslp@gmail.com
Ph: 8130309204

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक,
गुरचन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रियल एरिया टूॅनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011–41509689, 2335184
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.guampatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P.Singh Advocate Manish Sharma Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

सोसाइटी की 19वीं मंजिल से गिरकर छात्र की मौत

एजेंसी नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी-2 स्थित प्रिस्टीन एवेन्यू सोसाइटी में गुरुवार को 19वीं मंजिल से गिरकर एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि छात्र ने अपने परिजनों से नाराज होकर आत्महत्या की है। छात्र अभिनेता बनना चाहता था। बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक, अजय अरोड़ा प्रिस्टीन एवेन्यू सोसाइटी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका 18 वर्षीय बेटा आदित्य अरोड़ा गाजियाबाद के एक कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार की सुबह आदित्य सोसाइटी के बी टावर की 19वीं मंजिल से अचानक नीचे गिर गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्र को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि आदित्य अरोड़ा परिजनों से नाराज था। वह अभिनेता बनना चाहता था। परिजनों ने उसका बीबीए में दाखिला करवा दिया था। पुलिस ने बताया कि वह परिजनों से नाराज होकर घर से निकल गया। इसके बाद उसने 19 वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। हालांकि, दूसरे टावर में पहुंचने का मामला उलझा है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस छात्र के मोबाइल से भी जानकारी जुटा रही है।

कार सवार से दो भाइयों ने युवक से मारपीट की

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में दिल्ली से कार लेकर आए एक युवक पर दो भाइयों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना में युवक के चेहरे पर 50 टांके आए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के मयूर विहार फेज-तीन निवासी विकास पाल ने पुलिस को बताया कि वह 27 अक्तूबर की रात करीब 10 बजे नोएडा के सेक्टर-12 में आए हुए थे। वहीं, दो परिचित मिल गए। उनमें से एक का नाम राहुल ठाकुर है और दूसरा उसका भाई है। आरोप है कि जब वह गाड़ी में बैठे थे तो दोनों आरोपियों ने उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी। गाड़ी में तोड़फोड़ करने लगे। एक आरोपी ने उनके मुंह पर धारदार हथियार ब्लेड या चाकू से हमला कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। मारपीट के चलते उनके चेहरे पर 50 टांके आए हैं। पीड़ित के मुताबिक, दोनों आरोपी भी मयूर विहार फेज-तीन के रहने वाले हैं। घटना के बाद से पीड़ित बहुत भयभीत है। उसे डर है कि भविष्य में आरोपी एक बार फिर उसके ऊपर हमला करके किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे दें। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

चोरी कर भाग रहे बदमाश नाले में कूदे, दोनों गिरफ्तार

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-22 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में घुसकर दो चोरों ने चोरी करनी शुरू कर दी। इसी बीच पीड़ित की पत्नी और बेटा मौके पर आ गए। चोरों ने उनके ऊपर हमला कर दिया और वहां से भाग गए। आसपास के लोगों ने जब उनका पीछा किया तो दोनों नाले में कूद गए। लोगों ने दोनों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उनके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ है। सेक्टर-22 में रहने वाले विकास कुमार ने पुलिस को बताया कि 28 अक्तूबर को वह काम से घर से बाहर गए थे। पत्नी पूनम देवी बच्चों को लेने के लिए स्कूल गई थीं। जब पूनम देवी स्कूल से बच्चों को लेकर लौटीं तो उन्होंने देखा कि उनके घर के बाहर के दरवाजे पर एक युवक खड़ा है। उनकी देखते ही वह वहां से हट गया। जब उनकी पत्नी घर के अंदर गईं तो देखा कि उनके घर के दरवाजे की कुंडी कटी हुई है। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। इसी बीच उनके घर के अंदर छुपा हुआ एक लड़का तेजी से बाहर की तरफ भागा। उनके बेटे ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने उसके ऊपर पेचकस से हमला कर उसे लहलुहा कर दिया।पूनम देवी ने शोर मचाया तो आसपास के रहने वाले विकास, अमित, विनय आदि ने बदमाशों का 200 मीटर तक पीछा किया। कुछ दूर भगाने के बाद बदमाश बड़े नाले में कूद गए। शोर सुनकर काफी लोग मौके पर आ गए तथा नाले में कूदे दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। दोनों की पहचान दिल्ली के जहांगीरपुरी निवासी जेजे कॉलोनी निवासी अनिकेत और अलाउद्दीन के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उनके पास से 48 हजार रुपये, चांदी के जेवरत, पत्नी का आधार कार्ड आदि बरामद हुआ। पीड़ित के अनुसार, उनकी पत्नी ने जब घर में चेक किया तो पता चला कि उनके घर से सोने की अंगूठी, चांदी के करीब 550 ग्राम के जेवरत, नगदी आदि चोरी हुआ है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अवैध रूप से पटाखे बेचने जा रहा व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के थाना बादलपुर पुलिस ने अवैध रूप से पटाखे बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और पुलिस ने उसके कब्जे से 10 प्लास्टिक की बेरियों में भरे रॉकेट, बम, अनार और फुलझड़ी समेत भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। थाना बादलपुर के प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को आज तड़के सूचना मिली थी कि अच्छेजा गेट के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में पटाखे लेकर उन्हें अवैध रूप से बेचने के लिए जाने की तैयारी में है। उन्होंने बताया कि सूचना के अनुसार, वह वहां किसी वाहन का इंतजार कर रहा था। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की और सोहन पाल पुत्र जय करण सिंह, निवासी गांव कचैड़ा को हिरासत में ले लिया। गुप्ता के अनुसार, पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह पटाखे बेचने के लिए जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि आरोपी के पास पटाखे बेचने का लाइसेंस नहीं था, इसके बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद पटाखों को जब्त कर लिया है।

बीबीए के छात्र समेत तीन लोगों ने आत्महत्या की

एजेंसी नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी-2 में रहने वाले बीबीए के एक छात्र ने आज सुबह 19 वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके अलावा दो और लोगों ने आत्महत्या की है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि मरने वाले बीबीए छात्र की पहचान आदित्य अरोड़ा (21) के तौर पर हुयी है और वह गौर सिटी-2 में रहता था। उन्होंने बताया कि आदित्य ने आज अपाटमेंट की 19 वीं मंजिल से छलांग लगा दी, जिसके बाद उसके परिजनों ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के सलारपुर कॉलोनी में रहने वाले दिनू कुमार (21 वर्ष) ने मानसिक तनाव चलते के चलते बुधवार की रात अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस के अनुसार, इसी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पेड़ की डाल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि 30 साल के आस पास के युवक के शव की शिनाख्ता की जा रही है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर मुर्दाघर में भेज दिया है, जहां उनका पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

हरियाणा

द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़ रही सड़क पर चार कार टकराई

एजेंसी नोएडा। द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाली सेक्टरए की मुख्य सड़क पर बुधवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा सामने आया। अडानी ओएस्टर सोसाइटी के ठीक सामने चार कारें आपस में टकरा गईं। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने या जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन चारों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे के बाद स्थानीय निवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। निवासियों ने इस दुर्घटना का सीधा जिम्मेदार गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा बिना किसी योजना और सुरक्षा व्यवस्था के बनाए गए यू-टर्न कट को उद्घास्य है।

कैसे हुआ हादसा? प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार देर शाम सेक्टर-102 स्थित ज्यॉय विले सोसाइटी की तरफ से आ रही एक कार यू-टर्न कट से होकर द्वारका एक्सप्रेसवे की दिशा में मुड़ रही थी। इसी दौरान ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य कार उससे



सीधे टकरा गईं। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे से आ रही दो अन्य कारें भी खुद पर नियंत्रण नहीं रख सकीं और एक के बाद एक दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से जा टकराईं। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी जाम की स्थिति बन गई। गंभीरत यह रही कि सभी गाड़ियों में पर्यवेग सही समय पर खुल गए और चालकों व सवारियों को गंभीर चोटें नहीं आईं। हालांकि, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो कारों का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। के कट और हुलमुल रवये पर उठे गंभीर सवाल स्थानीय लोगों और

महिला डायरेक्टर ने रियल एस्टेट डेवलपर के चेयरमैन पर लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-142 स्थित रेनॉक्स ग्रुप (रियल एस्टेट डेवलपर) की एक महिला डायरेक्टर ने कंपनी के चेयरमैन शैलेन्द्र शर्मा पर यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना, वेतन रोकने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। महिला की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को चेयरमैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत के मुताबिक, महिला एक जुलाई 2026 से कंपनी में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि चेयरमैन वेतन जारी करने के बदले उनसे अनुचित व्यक्तिगत लाभ की मांग करते थे। विरोध करने पर वेतन रोकने, कटौती करने और काम में कमियां निकालकर अपमानित करने का आरोप है। 21 अक्तूबर को चेयरमैन के संदेश पर वह अपनी एडमिन मैनेजर के साथ सेक्टर-9 स्थित फर्नीचर मार्केट गई थीं। आरोप है कि वहां से एडमिन मैनेजर को भेजने के बाद उन्हें सेक्टर-62 के एक होटल में बुलाया गया। उन्हें चौथी मंजिल पर कमरा नंबर 418 बताया गया। महिला के मुताबिक, दो-तीन घंटे तक कोई नहीं आया, जबकि चेयरमैन फोन पर संपर्क में रहे। रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच जब वह होटल से निकलकर अपनी कार में बैठीं तो चेयरमैन भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि धमकाकर उन्हें वापस होटल ले जाया गया, जहां छेड़छाड़ की गई और निजी अंगों को छूने की कोशिश की गई। महिला ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी कार्यालय के केबिन और लाउंज में उनके साथ छेड़छाड़ की गई तथा अभद्र टिप्पणियां की गईं। उन्होंने कार्यालय के सीसीटीवी कैमरे बंद रहने और परिसर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के सेवन की आशंका भी जताई है। पिछले दो महीने से उन पर सीआरएम, मार्केटिंग, प्रशासन, कानूनी कार्य, जनसंपर्क और क्लाइट मीटिंग समेत कई जिम्मेदारियां थीं। लगातार मानसिक दबाव के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और उन्हें आत्महत्या के विचार आने लगे। महिला ने 26 अक्तूबर को एचआर को ईमेल भेजकर शिकायत की थी।

चोरी और पेचकश से हमला कर भाग रहे दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी नोएडा। नोएडा के सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-22 स्थित चौड़ा गांव में बुधवार को एक समसनीखेज वारदात सामने आई है। घर का ताला काटकर नकदी और आभूषण चोरी कर भाग रहे दो शांतिर चोरों को सतर्क परिजनों और स्थानीय लोगों ने फिल्मी अंदाज में खदेड़कर दबोच लिया। पकड़े जाने के डर से एक आरोपी ने गहनस्वामी के बेटे पर पेचकश से जुहलौवा हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया है। चौड़ा गांव निवासी विकास कुमार ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि बुधवार को वह किसी कार्यवश घर से बाहर गए थे, जबकि उनकी पत्नी पूनम देवी अपने बच्चे को स्कूल लेने गई थीं। जब पूनम देवी बच्चे के साथ वापस लौटीं, तो उन्हें मुख्य दरवाजे के पास एक संदिग्ध युवक मंडराता हुआ दिखाई दिया। आगे बढ़ने पर



उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला और कुंडी कटी हुई थी। घर के अंदर प्रवेश करने पर सारा सामान अस्त-व्यस्त और बिखरा हुआ मिला। घर का जायजा लेने के दौरान ही अचानक एक युवक अंदर से निकलकर भागने की फिराक में बाहर आया। शोर-शराबा सुनकर विकास कुमार के बेटे अनीक ने तुरंत सुझबुझ दिखाते हुए भाग रहे आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। खुद को घिरता देख आरोपी ने आवेश में आकर अनीक पर पेचकश से हमला कर दिया। हालांकि, मौके पर मौजूद

आरडब्ल्यू प्रतिनिधियों का आरोप है कि ने कुछ ही समय पहले अडानी ओएस्टर सोसाइटी के सामने डिवाइडर को काटकर एक नया यू-टर्न बनाया था। आरोप है कि यह मुख्य मार्ग द्वारका एक्सप्रेसवे और ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे को सीधे आपस में जोड़ता है, जिसके कारण यहां 24 घंटे यातायात का दबाव बहुत अधिक रहता है। इस सड़क पर वाहन बेहद तेज रफ्तार से गुजरते हैं। इसके बावजूद ने इस यू-टर्न पर न तो कोई ट्रैफिक सिग्नल लगाया, न ही कोई स्पीड ब्रेकर या ब्रिंक्लर (चेतावनी लाइट) लगाए। रात के समय मुड़ने वाले

राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में एमेनिटी, श्री गुरु हरिकृष्ण और हार्टफुलनेस बने चैंपियन

एजेंसी नोएडा। सेक्टर इकोटेक-11 स्थित उमा पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का बुधवार को समापन हो गया। प्रतिवांगिता के तीन आयु वर्गों में अलग-अलग स्कूलों ने खिताब जीते। अंडर-14 में एमेनिटी पब्लिक स्कूल, रुद्रपुर, अंडर-17 में श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल और अंडर-19 में हार्टफुलनेस इंटरनेशनल स्कूल ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। तीनों ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के लिए क्वालीफाई किया हैं। वहीं, मेजबान उमा पब्लिक स्कूल ने अंडर-19 वर्ग में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिवांगिता के तकनीकी निदेशक शिवालक राज ने बताया कि अंडर-14 वर्ग के फाइनल मुकाबलों में एमेनिटी



पब्लिक स्कूल, रुद्रपुर पहले, श्री शक्ति इंटरनेशनल स्कूल, तिरुप्पुर दूसरे और श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल व विनमोर अकादमी, जक्कूर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। इस वर्ग में एमेनिटी के योगेश को सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर और मोहम्मद आसिफ को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। श्री शक्ति के इक्बाल सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर बने। अंडर-17 वर्ग में श्री

गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल पहले, ग्रेनो का एस्टर पब्लिक स्कूल दूसरे और वेलम्मल विद्यालय, वनगरम व अराफा इंग्लिश स्कूल, अत्तूर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। श्री गुरु हरिकृष्ण के राजू सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर और के पाओना सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बने। एस्टर के राधे को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुना गया। वहीं, अंडर-19 वर्ग में हार्टफुलनेस इंटरनेशनल

युवतियों से कार सवार युवक ने की अभद्रता, एक्स पर पीड़िता ने बयां की आपबीती

एजेंसी गुरुग्राम। सेक्टर-70 स्थित ट्यूलिप चौक के पास रात को टहलने निकली दो युवतियों स्कॉर्पियो सवार व्यक्ति और उसकी महिला साथी पर पीछा करने, कार में बैठाने का दबाव बनाने, अभद्रता और धमकी देने का आरोप लगाया। पीड़ित ने सोशल मीडिया एक्स पर 17 पोस्ट के जरिये आपबीती साझा कर पुलिस और मुख्यमंत्री से गुहार लगाई। पीड़िता पेशे से आर्टिस्ट है। उसने एक्स पर लिखा कि बुधवार रात वह एक सहेली के साथ पौने नौ बजे घूमने गईं। रात दस बजे मॉल से अपने पीजी की तरफ लौट रही थी। रास्ते में स्कॉर्पियो गाड़ी उनके पास आकर रुकी, जिसमें लगभग 25 वर्षीय एक महिला और 45 वर्षीय एक व्यक्ति सवार थे। शुरूआत में उन्होंने लगजीर पीजी का पता पूछने और ब्रोकर का नंबर मांगने के बहाने बातचीत शुरू की। गाड़ी चला रहा व्यक्ति शराब के नशे में लान रहा था। वह व्यक्तिगत सवाल पूछने लगा। उसने पैसों की मदद करने, नौकरियां दिलवाने का लालच दिया और कुछ रसूखदार नेलाओं के नाम लेकर अपनी धाँस जमाने का प्रयास किया।

युवती पर भड़का कार सवार युवक असहज महसूस होने पर युवतियों ने दूरी बनाई और जाने की बात कहते हुए व्यक्ति को अंकल कहकर संबोधित किया तो वह और उसकी महिला साथी भड़क गए। इसी दौरान युवक

के साथ मौजूद महिला की तबीयत बिगड़ने पर युवतियों ने एक राहगीर की मदद से पानी मंगवाया। इसके बाद आरोपी ने जबरन उनकी जेब में 500 रुपये के दो नोट निकाल कर युवतियों को दीवाली का गिफ्ट कहते हुए देने लगा तो युवती ने मना कर दिया। गाड़ी में पीछे रुपये को से भरा बैग होने का दावा करते हुए उन्हें कार में बैठकर खाना खाने का दबाव बनाने लगा। किसी तरह मामले को संभालने के इरादे से युवतियों को कुछ दूरी पर स्थित मोमोज की दुकान तक जाने के लिए कार में बैठना पड़ा, लेकिन उन्होंने खिड़की थोड़ी खुली रखी, ताकि कोई गड़बड़ी होने पर वह मौका पावे ही कूद सके। दुकान पर पहुंचने पर युवक ने कार में बैठकर खाने के लिए बोला, लेकिन युवती ने कार से उतर कर आरोपी के 500 रुपये लौटा दिए। किसी तरह सुरक्षित करके तब पहुंची रुपये लौटाते ही आरोपी युवतियों से गाली-गलौज और अभद्रता करने लगा। डर के मारे दोनों युवतियां वहां से भाग निकलीं और ट्यूलिप सोसाइटी के पास छिप गईं। कुछ समय बाद जब वे दोबारा पैदल चलने लगीं तो वही स्कॉर्पियो दोबारा उनका पीछा करते हुए आ पहुंची। युवतियों ने भागकर फूड स्टॉलस की तरफ शरण लीं और पीछे के रास्ते से एक पीजी के अंदर घुस गईं। हालांकि, आरोपी स्कॉर्पियो लेकर करीब 30 मिनट तक उस पीजी के बाहर खड़ा रहा।

महीने में 45 दिन ही हो रही सुनवाई, उपभोक्ताओं को न्याय का इंतजार

एजेंसी नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिला उपभोक्ता आयोग में महीने में केवल 15 दिन ही मामलों की सुनवाई हो पा रही है। इसका असर लॉबित वादों के निस्तारण पर पड़ रहा है। कई मामलों में निर्धारित समय के दौरान सुनवाई का नंबर नहीं आने से पक्षकारों को अगली तारीख काफी आगे की मिल रही है। इससे उपभोक्ताओं को न्याय के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर के पास गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद, दोनों जिलों का प्रभार है। ऐसे में उन्हें दोनों जिलों के उपभोक्ता विवादों की सुनवाई करनी पड़ती है। मौजूदा व्यवस्था के तहत महीने की एक से 15 तारीख तक गौतमबुद्धनगर, जबकि 16 तारीख से महीने के अंत तक गाजियाबाद के मामलों की सुनवाई होती है। इस व्यवस्था के चलते गौतमबुद्धनगर आयोग को महीने में सुनवाई के लिए सीमित समय मिला पा रहा है। वादों की संख्या के मुकाबले उपलब्ध कार्यदिवस कम होने से सभी मामलों की सुनवाई कर पाना चुनौती बन रहा है। नियमित न्यायिक कार्यों के बीच कई वादों की सुनवाई नहीं हो पाती, जिसके कारण अगली तारीख देनी पड़ती है। इसका सीधा असर मामलों के निस्तारण की गति पर पड़ रहा है। फैसलों की संख्या आधी से भी कम आयोग में सुनवाई के दिनों की कमी का असर आदेशों की संख्या पर भी दिखाई दे रहा है। पहले हर महीने करीब 70 से 75 मामलों में आदेश पारित किए जाते थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर लगभग 30 से 35 रह गई है। यानी पहले की तुलना में फैसलों की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। आदेशों की संख्या घटने से लॉबित मामलों के निस्तारण की रफ्तार प्रभावित हो रही है। वहीं, सुनवाई के लिए लंबी तारीखें मिलने से उपभोक्ताओं को अपने विवादों के समाधान के लिए अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में आयोग में सुनवाई के लिए उपलब्ध समय और मामलों के बढ़ते दबाव के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती बना हुआ है।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक

कन्नन को नियुक्त किया सीईओ

नई दिल्ली ।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुरुवार को घोषणा की। कन्नन 2020 में कंपनी में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में शामिल हुए थे। वह सचिन पिळ्ळई की जगह लेंगे, जिन्होंने 29 अक्टूबर को आवास वित्त कंपनी के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। पिळ्ळई कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बने रहेंगे। वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले कन्नन कंपनी की बाजार में मौजूदगी मजबूत करने और सतत वृद्धि को आगे बढ़ाने पर ध्यान देंगे।नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उनके नेतृत्व में कंपनी अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करेगी और ग्राहकों तथा हितधारकों को दीर्घकालिक मूल्य उपलब्ध कराएगी।हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस, हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

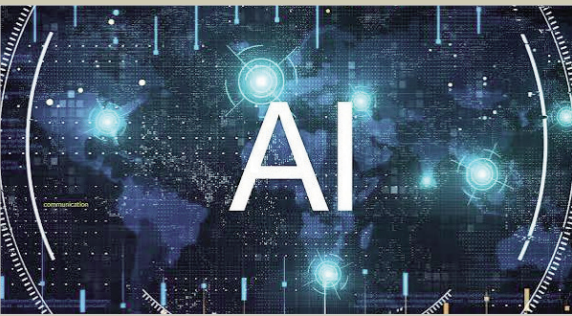
गोदरेज कंज्यूमर का मुनाफा बढ़कर 523 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 13.84 प्रतिशत बढ़कर 522.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 459.34 करोड़ रुपये था। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में गुरुवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल परिचालन आय 19 प्रतिशत बढ़कर 4,413.09 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,708.19 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंब) तिमाही में उसकी एकीकृत बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ी। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली (एफएमसीजी) क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 20.6 प्रतिशत बढ़कर 3,758.26 करोड़ रुपये रहा।

एआई के प्रभाव से अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में 500 अरब डॉलर की गिरावट

कमजोर विज्ञापन कारोबार और एआई से राजस्व घटने की आशंका से निवेशक चिंतित



नई दिल्ली ।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में 13 फीसदी से अधिक की तेज गिरावट दर्ज हुई, जिससे उसके बाजार पूंजीकरण में 500 अरब डॉलर से अधिक की कमी आई। यह अल्फाबेट के इतिहास में बाजार पूंजीकरण की सबसे बड़ी गिरावट है। तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा मुख्य राजस्व पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभाव की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अल्फाबेट ने तीसरी तिमाही में 111.2 अरब डॉलर की बिक्री दर्ज की, जो विश्लेषकों के अनुमान से कम थी। सच्रं और विज्ञापन आय भी बाजार की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। यह आय कुल कमाई का लगभग आधा है और एआई में बड़े निवेश के लिए अहम है। विज्ञापन कारोबार की वृद्धि दर पिछले पांच तिमाहियों में सबसे धीमी रही। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि गूगल सच्रं में एआई मोड की बढ़ती लोकप्रियता से कमाई प्रभावित हुई है, क्योंकि एआई प्रश्नों से अपेक्षाकृत कम राजस्व मिलता है। कंपनी इसमें विज्ञापनों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है। निवेशक चिंतित हैं कि चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट और गूगल के अपने एआई फीचर्स उपभोक्ताओं को उसके सबसे अधिक कमाई वाले सच्रं कारोबार से दूर कर सकते हैं। अल्फाबेट को एआई महत्वाकांक्षाओं पर भविष्य में 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है, जिससे शीर्ष अधिकारियों पर इस भारी-भरकम निवेश को सही ठहराने का दबाव बढ़ गया है।

भारतीय कंपनियों की विदेशी उधारी बढ़ी, अगस्त में 8.13 डॉलर अरब के आवेदन

फिलपकार्ट, पीएफसी, आरईसी व इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भी की बड़ी उधारी की मांग

मुंबई ।

भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए दाखिल आवेदनों की कुल राशि अगस्त में मासिक आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 8.13 अरब डॉलर तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है,

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिकी राज्य टेक्सास की ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। यह सौदा उसकी अनुषंगी एनआईआईटी यूएसए के जरिए 1.76 करोड़ डॉलर तक में हुआ है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर दिए जाने वाले

अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिका के टेक्सास स्थित ब्लू वॉटर लर्निंग में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 167 करोड़ रुपये में हासिल की है। कंपनी ने कहा कि एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स एनआईआईटी (यूएसए) के माध्यम से किया गया है। इस सौदे का कुल मूल्य 1.76 करोड़ डॉलर

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 308, निफ्टी 116 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बंदत के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बंदत दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आयी है। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 308.49 अंक बढ़कर 74,459.53 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.35 अंक उछलकर 23,053.10 पर बंद हुआ। आज लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 540.40 अंक की गिरावट के साथ 57,301.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 347.75 अंक की कमजोरी के साथ

18,463.60 पर बंद हुआ।

बाजार को सहारा आईटी शेयरों से मिला, सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी फार्मा , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजंशन और निफ्टी इन्फ्रा में भी तेजी रही।

वहीं, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी ऑटो गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में ट्रेट, इंडिगो, इन्फोसिस, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इटरनल, टेक महिंद्रा, एचयूएल टेक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, एचयूएल और टाइटन के शेयर



लाभ में रहे थे। एसबीआई,

एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बीईएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। वहीं

इससे पहले आज सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 168.03 अंक बढ़कर 74,319.07 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 44.55 अंको की बढ़त के साथ 22,981.30 पर कारोबार कर रहा था

न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के 98 फीसदी विज्ञापन भ्रामक,एएससीआई रिपोर्ट में खुलासा

परिषद ने 61 में से 60 विज्ञापनों को आचार सहिता का उल्लंघन करते पाया

नई दिल्ली ।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) की एक हालिया रिपोर्ट ने न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के विज्ञापनों में व्याप्त भ्रामक दावों का बड़ा खुलासा किया है। अ पिल फॉर थॉट शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से सितंबर 2023 के बीच जांचे गए 61 विज्ञापनों में से चौंकांने वाले 60 विज्ञापन एएससीआई की आचार सहिता का उल्लंघन करते पाए गए, जो उपभोक्ताओं को झूठी उम्मीदें और निराधार वादे बेचकर गुमराह कर रहे थे। एएससीआई की इस गहन जांच ने न्यूट्रास्युटिकल क्षेत्र में व्यापक अनियमितताओं को उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार इन विज्ञापनों

में 60 दिन में छह किलो वजन घटाएं, आपको त्वचा सात साल जवां दिखेगी और अस्थमा या पीसीओडी को उलट दें जैसे नाटकीय दावे किए गए थे, जिनके समर्थन में कोई पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं थे। जांच में यह विज्ञापनदाताओं ने तो अपनी आपत्तियों को चुनौती भी नहीं दी, जबकि बाकी 31 विज्ञापनदाता अपने दावों को साबित करने के लिए ठोस सबूत पेश करने में नाकाम रहे। रिपोर्ट में वजन प्रबंधन, त्वचा देखभाल, एंटी-एजिंग और श्वास संबंधी समस्याओं के उपचार से जुड़े दावे प्रमुखता से शामिल थे। इन विज्ञापनों में अक्सर तय समयसीमा के भीतर आश्चर्यजनक

परिणामों का वादा किया गया, साथ ही नाटकीय पहले और बाद की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया गया, जैसे फेफड़ों को काले रंग से गुलाबी होते हुए दिखाना। कुछ ब्रांडों ने अपने उत्पादों को अस्थमा और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों के समाधान के रूप में भी प्रस्तुत किया, यह सुझाव देते हुए कि ये प्रदूषण और धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों को उलट सकते हैं।

इसके अलावा, किसी खास सामग्री पर हट्ट शोध का उपयोग पूरे उत्पाद के फायदों को साबित करने के लिए किया गया, जबकि तैयार उत्पाद के विज्ञापन में बताए गए नतीजे देने के कोई ठोस प्रमाण नहीं थे। एएससीआई की एक अधिकारी ने इस स्थिति पर गहरी

दवा निर्यात पहली छमाही में 4.9 फीसदी बढ़कर 16.14 अरब डॉलर

यूरोप, आसियान और लातिन अमेरिका से मजबूत मांग ने दिया सहाय

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत का दवा निर्यात सालाना आधार पर 4.9 प्रतिशत बढ़कर 16.14 अरब डॉलर हो गया है।

भारतीय दवा निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय, आसियान और लातिन अमेरिकी बाजारों से मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी है, जबकि अमेरिका को निर्यात की रफ्तार कुछ धीमी रही। फार्मेक्सिल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक यूरोप को निर्यात में 9.66 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो कुल दवा निर्यात का 20.38 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में आसियान क्षेत्र में 21.54 प्रतिशत और लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में 16.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। अफ्रीका को दवा निर्यात में भी 6.48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में दर्ज 15.38 अरब डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण उछाल है। परिषद के अे धिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और क्रिफायती दवाओं के बड़े पैमाने पर विनिर्माण के दम पर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

धनतेरस से पहले सोने की कीमतों में गिरावट से खरीदार असमंजस में

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली ।

धनतेरस और शादी के शुभ अवसर से ठीक पहले सोने की कीमतों में आई भारी गिरावट ने खरीदारों को असमंजस में डाल दिया है। जनवरी में 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर को छूने वाला सोना अब 1.43 लाख रुपये के करीब आ गया है, यानी करीब 20 फीसदी की कमी।

इस अप्रत्याशित गिरावट ने जहां एक ओर निवेशकों के लिए अवसर पैदा किया है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या अभी और इंतजार करना चाहिए। सोने की कीमतों में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण जिम्मेदार हैं। सबसे प्रमुख वजह अमेरिका के 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी है, जो 5 फीसदी से भी ऊपर चल रही है। जब अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए गए इन बॉन्ड पर इतना आकर्षक और सुरक्षित रिटर्न मिलता है, तो बड़े निवेशक सोने

जैसे सुरक्षित निवेश से पैसा निकालकर बॉन्ड में लगाना पसंद करते हैं, क्योंकि सोने पर कोई ब्याज नहीं मिलता।

इस शिफ्ट से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग घटती है और उसकी कीमत पर दबाव बनता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका में बढ़ती महंगाई का डर भी सोने की चमक फीकी कर रहा है। ईरान युद्ध के तनाव के कारण महंगा हुआ कच्चा तेल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई बढ़ा रहा है।

इसे नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें ऊंची रखी हैं, जिससे बॉन्ड यील्ड को और बढ़ावा मिला है। जानकारों का मानना है कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें स्थिर नहीं होतीं और महंगाई के आंकड़े नीचे नहीं आते, तब तक अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड ऊंची बनी रह सकती है। इसका सीधा मतलब है कि अगले कुछ महीनों या साल भर तक सोने के भाव में तेजी से उछाल की संभावना कम है।

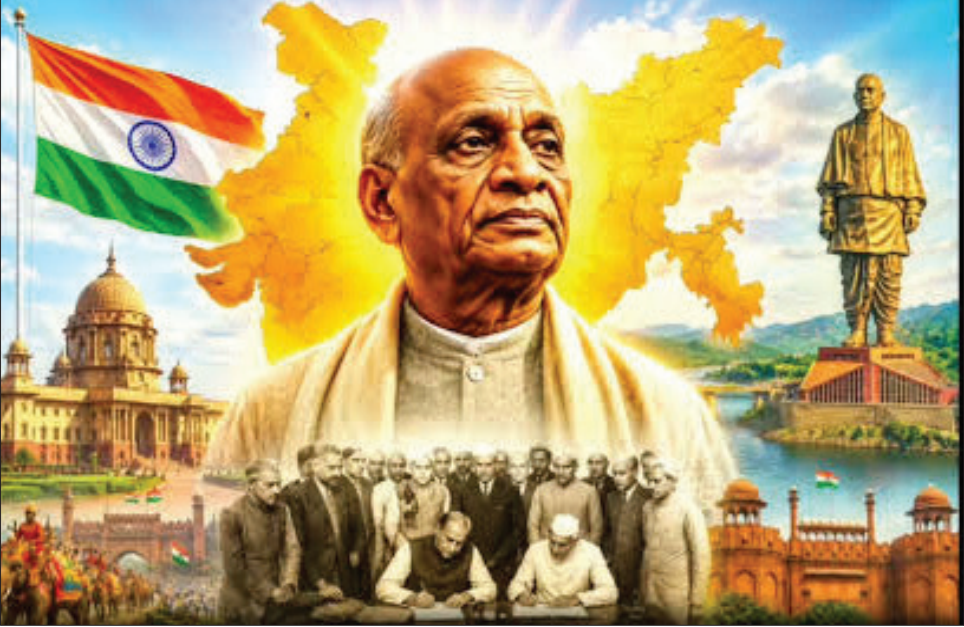
सरदार पटेल: जिसकी दृढ़ता के आगे झुक गई सैकड़ों रियासतें



योगेश कुमार गोयल

सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।

भारत के राजनीतिक एकीकरण के महानायक सरदार पटेल... भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्तूबर को देशभर में ‘राष्ट्रीय एकता दिवस’ के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की परेशानियां उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थीं। महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें ‘सरदार’ की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से



प्रसिद्ध हो गए। सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थीं, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थीं जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थीं। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संवाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य आसान नहीं था लेकिन पटेल ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया। जूनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जूनागढ़ के

नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जूनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे ‘ऑपरेशन पोले’ कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया। पटेल का योगदान केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को देश की एकता, स्थिरता और सुचारु शासन के लिए आवश्यक मानते थे। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखना कठिन होगा। उन्होंने इन सेवाओं को देश की प्रशासनिक रीढ़ बताते

हुए इनके संरक्षण और विकास पर जोर दिया। विभाजन के समय देश में सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का गंभीर संकट पैदा हो गया था। लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। ऐसे कठिन समय में पटेल ने राहत और पुनर्वास के कार्यों को प्राथमिकता दी। वे प्रशासन को लगातार सक्रिय रखते थे और शरणार्थियों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते थे। उनका मानना ​​था कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। जवाहरलाल नेहरू के साथ सरदार पटेल के कई मुद्दों पर मतभेद थे लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को व्यक्तिगत विचारों से ऊपर रखा। पटेल का मानना ​​था कि देश को मजबूत बनाने के लिए नेतृत्व में सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से नवगठित सरकार को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल का जीवन सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठ का उदाहरण था। वे दिखावे से दूर रहते थे और काम को सबसे अधिक महत्व देते थे। उनके लिए देशसेवा किसी बड़े या प्रतिष्ठ का विषय नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। वे कठिन परिस्थितियों में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। उनकी यही विशेषता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है। 15 दिसंबर 1951 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया। वर्ष 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ का लोकार्पण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। वहां भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।

संपादकीय

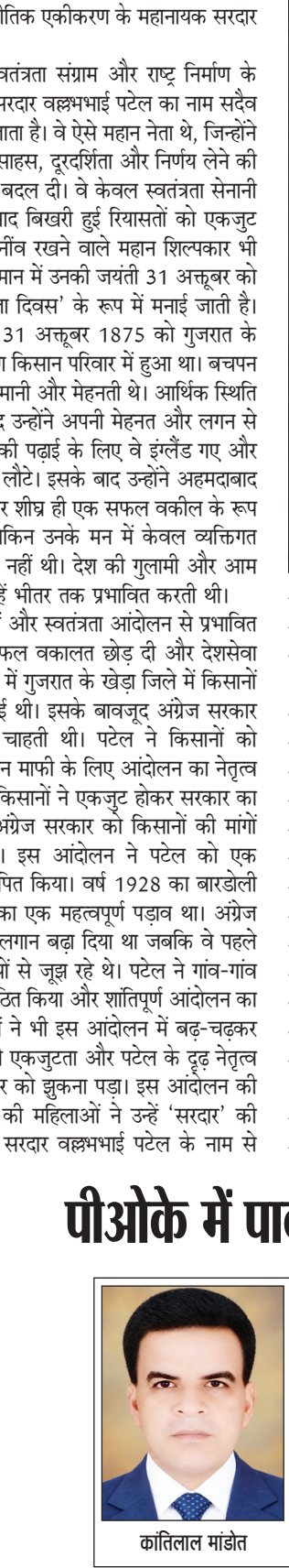
बेजार हुआ बाजार

वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश-दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है,यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बृते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठ बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती रुचशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान श्रृंखला भी गड़बड़ गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतः उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बड़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरुड पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलेते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैक्कर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।



कातिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जनआंदोलन अब केवल महंगाई, सस्ते आटे और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रह गया है। साढ़े चार महीने से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जनता और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिय्ञन के बीच टकराव की स्थिति गंभीर होती दिखाई दे रही है। मुजफ्फराबाद से लेकर कोटली, रावलाकोट और पुंछ तक लोगों में नाराजगी बढ़ने की खबरें हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उनकी मांगों को सुनने और समस्याओं का समाधान करने के बजाय सड़कों पर बर्दशें लगाई जा रही हैं तथा विरोध की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। अवामी आंदोलन के जुलूस पर गोलीबारी और लोगों के घायल होने की खबरों ने स्थिति को और



सुनील कुमार महला

दीपावली खुशियों, उमंग, प्रकाश और मिठास का त्योहार है। इस पर्व पर घर-परिवार में मिठाइयों का आदान-प्रदान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, आत्मीयता और सद्भाव का प्रतीक भी है। दीपावली आने से कई दिन पहले ही बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों से सजने लगते हैं और बाजार में दुकानों पर काजू कतली, बेसन के लड्डू, मोतीचूर, रसगुल्ले, बर्फी, पेड़े और गुलाब जामुन की बहार दिखाई देने लगती है। कभी घरों में भी दीपावली के लिए तरह-तरह के पकवान और मिठाइयां तैयार की जाती थीं, लेकिन बदलती जीवनशैली और व्यस्तता के कारण अब अधिकांश लोग बाजार से ही मिठाइयां खरीदना पसंद करते हैं। यही वह समय है, जब मिठाइयों की मांग अचानक बढ़ जाती है और कुछ मुनाफाखोरे इस मांग को कमाई का अवसर बना लेते हैं।विडंबना यह है कि जिस मिठास को हम अपने परिवार और प्रियजनों के साथ बांटने के लिए खरीदते हैं, उसी में मिलावट का खतरा छिपा होता है। मिलावट तो मिलावट, तौल तक में गड़बड़ी की जाती है और डिब्बे को भी मिठाई के साथ ही तौल दिया जाता है। शुद्ध देसी घी, असली मावे और गुणवत्तापूर्ण दूध से बनी मिठाइयों के नाम पर आज नकली घी, मिलावटी मावा, सिंथेटिक दूध और घंटिया खाद्य सामग्री से तैयार मिठाइयां ऊंचे दामों पर बेची जाती हैं। कई बार ग्राहक को यह पता ही नहीं चलता कि वह जिस मिठाई को शुद्ध और स्वादिष्ट समझकर खरीद रहा है, उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री उसकी सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह हो सकती है। यह केवल उपभोक्ता के साथ आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य और विश्वास के साथ किया जाने वाला गंभीर अपराध है। हम सभी जानते हैं कि मिलावट का यह कारोबार केवल

मिठाइयों तक ही सीमित नहीं है। दूध, घी, पनीर, मावा, मसाले, तेल, दालें, सूखे मेवे और यहां तक कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कई खाद्य पदार्थ भी इसकी चपेट में हैं। कहीं दूध में पानी और अन्य रासायनिक पदार्थ मिलाए जाते हैं, तो कहीं पनीर और मावा तैयार करने में गैर-मानक सामग्री का इस्तेमाल होता है। मसालों में रंग और अन्य अवांछित पदार्थ मिलाकर उन्हें आकर्षक बनाया जाता है। खाद्य तेलों में मिलावट और नकली ब्रांडों के नाम पर बिक्री की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। त्योहारों के अवसर पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सरकारी स्तर पर भी चिंता जताई जाती है। यहां पाठकों को बताता चलू कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 29 सितंबर 2026 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र जारी कर नवरात्र और दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों की जांच, निगरानी और नमूने लेने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। इसमें दूध एवं दुग्ध उत्पादों, मिठाइयों, नमकीन, खाद्य तेल और घी को विशेष निगरानी में रखने को कहा गया लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि जब हर साल त्योहारों से पहले ऐसे निर्देश जारी होते हैं, तब भी मिलावट का कारोबार आखिर क्यों नहीं रुकता? इस क्रम में हाल के घटनाक्रम इस समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं। दिल्ली में अक्टूबर 2026 के शुरुआती दिनों में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 4,100 किलोग्राम से अधिक सदिग्ध मिलावटी मावा और पनीर नष्ट किए जाने की खबर सामने आई। इतना ही नहीं, हाल ही में 29 अक्टूबर को भी दिल्ली के तीन बाजारों में छपेमारी के दौरान करीब 949 लीटर घंटिया घी जब्त किया गया। वहीं, हरियाणा के मेवात क्षेत्र में भी लगभग 10 हजार किलोग्राम मिलावटी पनीर जब्त किए जाने की घोषणा की गई। अधिकारियों ने माना कि त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आसपास के जिलों से बड़ी मात्रा में घंटिया मावा बाजार में पहुंचने का खतरा रहता है। इसी तरह उदयपुर में भी 29 अक्टूबर को लसाड़िया क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 45 किलोग्राम अस्वच्छ मावा और 7 किलोग्राम घंटिया मिठाइयां जब्त कर नाष्ट किए जाने की खबर सामने आई। वास्तव में, ये घटनाएं बताती हैं कि मिलावट की समस्या किसी एक शहर, प्रदेश या मिठाई

की दुकान तक सीमित नहीं है। यह एक संगठित और व्यापक समस्या का रूप ले चुकी है। वास्तव में, सबसे चिंताजनक बात यह है कि मिलावटखोरों के हौसले केवल इसलिए बुलंद नहीं हैं कि बाजार में खाद्य पदार्थों की मांग अधिक है, बल्कि इसलिए भी कि उन्हें कानून का पर्याप्त भय नहीं है।यह बात ठीक है कि समय-समय पर छपेमारी होती है, कुछ नमूने भी लिए जाते हैं, कुछ दुकानों से खाद्य सामग्री जब्त होती है और खराब सामग्री नष्ट कर दी जाती है। मीडिया में कार्रवाई की खबरें सुविख्यां बनती हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ पहले जैसा ही हो जाता है। असली जरूरत केवल त्योहारों पर दिखावटी सक्रियता की नहीं, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर निगरानी और दोषियों के विरुद्ध ऐसी कठोर कार्रवाई की है, जिससे मिलावट का कारोबार करने वालों में कानून का वास्तविक भय पैदा हो।आज सोशल मीडिया का युग है और सोशल मीडिया के इस दौर में मिलावट के कारोबार की तरवीरें और वीडियो भी अक्सर सामने आते रहते हैं। कहीं नकली मावा बनाने की प्रक्रिया दिखाई जाती है, तो कहीं रासायनिक पदार्थों से दूध तैयार करने और वनस्पति व अन्य वसा मिलाकर घी बनाने के वीडियो प्रसारित होते हैं। यही वीडियो लोगों को चर्चित करते हैं और कुछ समय तक चर्चा का विषय भी बने रहते हैं, लेकिन केवल वीडियो वायरल होने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। ऐसे मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आखिर खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारी केवल शिकायतों का इंतजार करना नहीं, बल्कि ऐसी गतिविधियों पर पहले से नजर रखना भी है। यहां यह बात भी बिल्कुल सही है कि देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कानूनों की कमी नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत असुरक्षित खाद्य पदार्थों के उत्पादन और बिक्री पर गंभीर दंड का प्रावधान है। यदि असुरक्षित खाद्य पदार्थ के सेवन से किसी व्यक्ति को चोट पहुंचती है, गंभीर चोट लगती है अथवा मृत्यु होती है तो अपराध की गंभीरता के अनुसार कारावास और जुर्माने की सजा हो सकती है। मृत्यु के मामले में कम से कम सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके बावजूद कानून का प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब उसके निष्पक्षता से पालना हो और दोषियों को समय पर सजा

मिले। विदेशों में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता के स्वास्थ्य को लेकर कई देशों ने सख्त निगरानी व्यवस्थाएं विकसित की हैं। वहां खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया, भंडारण और बिक्री तक पर निगरानी रखी जाती है। पाठकों को बताता चलू कि वैश्विक स्तर पर, यूरोपीय संघ में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता स्वास्थ्य को लेकर दुनिया के सबसे सख्त कानून और निगरानी व्यवस्थाएं हैं। गौरतलब है कि यूरोपियन फूड सैफ्टी ऑथोरिटी एहतियाती सिद्धांत’ पर काम करती है, जिसका अर्थ है कि किसी भी खाद्य योजक, रसायन या नए उत्पाद को तब तक बाजार में बिकने की अनुमति नहीं दी जाती, जब तक कि उसका सुरक्षित होना वैज्ञानिक रूप से 100ब साबित न हो जाए। यही कारण है कि दुनिया के कई अन्य हिस्सों में धड़झले से इस्तेमाल होने वाले रसायनों, कीटनाशकों, कुत्रिम रंगों और जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों पर यूरोप में पूरी तरह से प्रतिबंध है। यूरोपीय देशों (विशेषकर जर्मनी और फ्रांस) के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया में भी खाद्य मानकों, पैकेजिंग और मिलावट को लेकर अत्यंत कठोर कानून लागू हैं। हमारे देश में भी ऐसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की पर्याप्त नियुक्ति, आधुनिक ज्ञान प्रयोगशालाएं, मोबाइल खाद्य परीक्षण वाहन, नियमित निरीक्षण और प्रयोगशालाओं से सम्पन्नबद्ध जांच रिपोर्ट मिलना जरूरी है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखी जानी चाहिए, जहां बड़े पैमाने पर मावा, पनीर और मिठाइयों का उत्पादन होता है। इतना ही नहीं, खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर महीनों तक रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने के बजाय जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया में तेजी लानी होगी।इसके साथ ही उपभोक्ताओं की भी जागरूक होने की जरूरत है। हमें मिठाइयां खरीदते समय विश्वसनीय दुकानों को प्राथमिकता देनी चाहिए, और पैकिंग पर निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, सामग्री और खाद्य लाइसेंस संबंधी जानकारी अवश्य देखनी चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम खुले में रखी गई मिठाइयों, अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार खाद्य पदार्थों और असमान्य रंग या गंध वाली सामग्री से बचें तथा केवल चमक-दमक और आकर्षक पैकिंग को ही शुद्धता का प्रमाण न मानें। हमारा यह दायित्व बनता है कि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट का संदेह होने पर हम खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। जागरूक उपभोक्ता भी मिलावट के विरुद्ध एक प्रभावी शक्ति बन सकता है।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका की न्यूक्लियर लैब में आग से हड़कंप, इमरजेंसी घोषित



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य में एक बड़े न्यूक्लियर सेंटर की लैब में आग लगने के बाद इमरजेंसी घोषित कर दी गई, यह आग एकैन शहर के पास स्थित सवाना रिवर साइट परिसर की सवाना रिवर नेशनल लेबोरेटरी में लगी. अधिकारियों के मुताबिक, आग शाम 5 बजकर 39 मिनट पर लगी. इसके बाद आपातकालीन कार्रवाई शुरू की गई. करीब दो घंटे बाद आग बुझा दी गई. अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित इमारत के बाहर रेडियोएक्टिव मटेरियल फैलने की कोई सूचना नहीं है. एहतियात के तौर पर केंद्र के एंटी पॉइंट बंद कर दिए गए हैं और बाहर से आने वाले वाहनों को रोक दिया गया है. लैब के आसपास रेल, नदी और हवाई रास्तों से होने वाली आवाजाही पर भी रोक लगाई गई है. घटना से प्रभावित इलाकों में मौजूद जिन कर्मचारियों की जरूरत आग बुझाने या केंद्र को बंद करने के काम में नहीं है, उन्हें अपनी जगह पर ही सुरक्षित रहने का निर्देश दिया गया है. केंद्र के अधिकारी हालात संभालने की कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं. राज्य और स्थानीय प्रशासन की संबंधित एजेंसियों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है. स्थानीय लोगों को सलाह दी गई है कि वे रेडियो और टीवी पर खबरों के जरिए ताजा जानकारी लेते रहें.

स्पेन में ट्रेन हादसे के बाद लोगों का गुस्सा भड़का,पुलिस पर बातलें-पटाखे फेंके, परिवहन मंत्री से इस्तीफा मांग रहे

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में बुधवार दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में 68 लोगों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सैकड़ों लोगों ने राजधानी मैड्रिड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुर्ते के इस्तीफे की मांग की है। कुछ लोगों ने उन्हें 'मौत का मंत्री' तक कहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। लोगों ने पुलिस पर बातलें और पटाखे फेंके। वहीं पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल का प्रयोग किया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी जिसके बाद कंट्रोल सेंटर ने एक ट्रेन को दोबारा चलने की इजाजत दी। आगे पटरी पर खड़ी दूसरी ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई। लेकिन सिग्नल सिस्टम की खराबी ही हादसे की असली वजह थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुर्ते ने भी कहा है कि जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

अमेरिका ने रवांडा के रक्षा मंत्रालय पर लगाए प्रतिबंध, पूर्वी कांगो संघर्ष में दखल का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पूर्वी कांगो में जारी संघर्ष में रवांडा की भूमिका को लेकर उसके रक्षा मंत्रालय पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की शांति की कोशिशों के बावजूद कांगो की सरकार और रवांडा समर्थित एम23 विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी है। ये प्रतिबंध पिछले साल के अंत में वाशिंगटन में कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सिसेकेदी और रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे के बीच हुए शांति समझौते के बाद लगाए गए हैं। इस समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि, अब तक इन कोशिशों का जमीनी हालात पर बहुत कम असर पड़ा है और संघर्ष जारी है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वह रवांडा के रक्षा मंत्रालय पर प्रतिबंध लगा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, रवांडा ने पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु और दक्षिणी किवु प्रांतों में हजारों सैनिक तैनात किए हैं। ये सैनिक एम23 के साथ मिलकर अभियान चलाते हैं और इस सशस्त्र समूह को सैन्य उपकरण, जरूरी सामान, लॉजिस्टिक मदद और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं। बयान में कहा गया कि रवांडा के अधिकारियों ने युद्ध के मैदान में आधुनिक हथियार भी तैनात किए हैं। इनमें सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां और संचार बाधित करने वाले उपकरण शामिल हैं। इससे पूर्वी कांगो में नागरिक विमानों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। एम23 उन करीब 100 शस्त्र समूहों में से एक है, जो रवांडा की सीमा से लगे खनिज खंपंदा से भरपूर पूर्वी कांगो में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजा धोखाधड़ी पर नकेल: उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमेरिकी वर्कर्स को हटाकर विदेशियों को रखना बर्दाश्त नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें बीजा धोखाधड़ी से निपटने और उन नियोक्ताओं को चुनौती देने का अधिकार दिया है, जो अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन वाले विदेशी कर्मचारियों को काम पर रख रहे हैं। उन्होंने उत्तरी कैरोलिना में अपने चुनावी भाषण में नौकरियों की सुरक्षा को मुख्य मुद्दा बनाया। किस्टन में मध्यावधि चुनाव रेली में, वेंस ने बीजा नियमों के सख्ती से पालन को प्रशासन के उस व्यापक तर्क से जोड़ा, जिसके अनुसार सरकार को अमेरिकी कामगारों और घरेलू निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने न

तो किसी नई बीजा नीति की घोषणा की, न ही किसी नई कार्रवाई के बारे में बताया. और न ही पास्ता, आवेदन प्रक्रिया या नियोक्ताओं की जिम्मेदारियों में किसी बदलाव का जिक्र किया। उनकी बातों में प्रशासन की प्राथमिकताओं की झलक थी, न कि किसी नए नियम की।

वेंस ने कहा, 'राष्ट्रपति ने मुझे और मेरी टीम को बीजा धोखाधड़ी पर लगाम लगाने और ऐसे लोगों के खिलाफ लड़ने की जिम्मेदारी दी है, जो अमेरिकी कामगारों को नौकरी से निकालकर उनकी जगह कम वेतन वाले विदेशी नागरिकों को रख लेते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'अमेरिकी नौकरियां

नेतन्याहू बहुमत से दूर, फिर भी सरकार बना सकते हैं

अरब पार्टियों की भी जरूरत नहीं; आइजनकोट के पास भी सत्ता में आने के 3 रास्ते

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में 90 प्रतिशत से ज्यादा वोटों की गिनती पूरी हो गई है। इसके बाद भी सरकार बनाने का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता गादी आइजनकोट, दोनों के गठबंधन बहुमत से दूर हैं। इजराइली संसद में 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सीटें चाहिए। हालांकि, नेतन्याहू इससे कम सीटें होने पर भी सरकार बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें 19 सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरी अरब पार्टियों की जरूरत भी नहीं है। नेतन्याहू को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे गादी आइजनकोट गठबंधन की उम्मीदें भी कायम हैं। 48 सीटों में आगे चल रहे इस गठबंधन के पास सरकार बनाने के 3 रास्ते हैं।

विपक्षी खेमे के सांसदों का समर्थन जुटाना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल किसी पार्टी या उसके कुछ सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव देने या उनकी कुछ मांगें मानने की जरूरत पड़ सकती है। अगर विपक्षी खेमे के कुछ सांसद विश्वास मत में नेतन्याहू का समर्थन करते हैं या मतदान से दूर रहते हैं, तो उनके लिए सरकार बनाने का रास्ता आसान हो सकता है। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का लक्ष्य रखा था। इसलिए उनके किसी सहयोगी का नेतन्याहू के पक्ष में जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है। अभी किसी खास विपक्षी नेता के पाला



बदलने की पुष्टि नहीं हुई है।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसमें उनके मौजूदा दक्षिणपंथी और धार्मिक सहयोगियों के साथ विपक्ष के कुछ नेता भी शामिल हो सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट या गादी आइजनकोट जैसे नेताओं की भूमिका इस विकल्प में अहम हो सकती है। लेकिन इसके लिए प्रधानमंत्री पद, सैन्य सेवा से जुड़े नियमों और दूसरी नीतियों पर समझौता करना होगा। आइजनकोट और नेतन्याहू के बीच राजनीतिक मतभेद इस रास्ते की बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा, नेतन्याहू के अति-दक्षिणपंथी सहयोगियों को भी विपक्षी नेताओं के साथ सत्ता साझा करना मंजूर होना जरूरी नहीं है।

अल्पमत सरकार चलाना : तीसरा विकल्प ऐसी सरकार बनाना है, जिसके पास अपने गठबंधन में 61 सीटें न हों, लेकिन वह विश्वास मत

हासिल कर ले। इसके लिए जरूरी नहीं कि अरब पार्टियां सरकार में शामिल हों। यदि वे मतदान से दूर रहती हैं या सरकार के खिलाफ वोट नहीं देतीं, तो संसद में मौजूद और वोट करने वाले सांसदों के हिसाब से सरकार विश्वास मत जीत सकती है। हालांकि, यह विकल्प सरकार को स्थिरता की गारंटी नहीं देता। बजट, कानून और दूसरे बड़े फैसलों के लिए नेतन्याहू को संसद में समर्थन जुटाना होगा। अगर विरोधी दल एकजुट होकर सरकार के खिलाफ वोट करते हैं, तो उनकी सरकार संकट में पड़ सकती है।

आइजनकोट के सामने क्या रास्ते हैं : आइजनकोट के लिए कुशल बड़ी चुनौती यह है कि उनके खेमे की 48 सीटें बहुमत से काफी कम हैं। अरब पार्टियों की 19 सीटें जोड़ने पर नेतन्याहू विरोधी खेमे के पास संैद्धातिक रूप से 67 सीटें हो सकती हैं। लेकिन कई यहूदी दल अरब पार्टियों के साथ औपचारिक गठबंधन या समझौते के खिलाफ हैं।

मॉस्को के पास यूक्रेन के ड्रोन हमले, रूसी सेना

ने कई मानवरहित विमानों को मार गिराया

मॉस्को , एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को की ओर बढ़ रहे करीब 30 मानवरहित हवाई विमानों (यूएवी) को रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने रूसी मीडिया को यह जानकारी दी। मेयर ने बताया कि रोकें गए ड्रोन के मलबे गिरने वाली जगहों पर आपातकालीन सेवाओं की टीमें काम कर रही हैं।

रूसी समाचार वेबसाइट इजबेस्टिया के अनुसार, नई वायु रक्षा प्रणालियों के कारण यूक्रेनी सशस्त्र बलों को अपने ड्रोन के रास्ते बदलने पड़ रहे हैं। ये प्रणालियां हवाई लक्ष्यों को रोकने से पहले ही विरोधी पक्ष की रणनीति को प्रभावित करने में सक्षम हैं। इससे पहले 15 ड्रोन को नष्ट किए जाने के बाद राजधानी की ओर बढ़ रहे 10 अन्य ड्रोन को भी वायु रक्षा प्रणालियों ने रोक लिया। इस बीच, रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी रोसावियात्सिया ने क्षेत्र के चार प्रमुख हवाई अड्डों में से तीन पर उड़ानों को लेकर प्रतिबंध लगा दिए। इनमें वनुकोवो, डोमोडेडोवो और झुकोवस्की हवाई अड्डे शामिल हैं। झुकोवस्की में

प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, जबकि अन्य दो हवाई अड्डों पर अस्थायी पाबंदियां अभी लागू हैं। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को क्षेत्र के निवासियों ने राजधानी से करीब 50 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित नारो-फोमिंस्क शहर के पास कई धमकों की आवाज सुनने की जानकारी दी।

इस्राइल में यहूदी-अरब सरकार बनाने की मांग को लेकर तेल अवीव समेत कई जगहों पर प्रदर्शन : तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल में यहूदी-अरब सरकार बनाने की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों ने तेल अवीव, यरुशलम और हाइफा में प्रदर्शन किया। इस्राइली दैनिक समाचार पत्र हारेत्ज के अनुसार, यरुशलम के पेरिस स्क्वायर, तेल अवीव के मेसिला पार्क और हाइफा तेल के यूनेस्को स्क्वायर में करीब 300 लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में ऐसे पोस्टर ले रखे थे, जिन पर 'नदी से समुद्र तक सभी के लिए आजादी' और 'यहूदी-अरब सरकार के समर्थन में' जैसे नारे लिखे थे।

ईरान पर हमले की तैयारी के बीच हेगसेथ की बड़ी कार्रवाई, पेंटागन के शीर्ष जनरल को पद से हटया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की चर्चा के बीच रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को उनके पद से हटा दिया है। वह जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में रणनीति, योजना और नीति से जुड़े अहम पद पर तैनात थे। रक्षा विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें हटाने की वजह नहीं बताई गई है और उनकी जगह किसी एए अधिकारी की नियुक्ति भी नहीं हुई है।

32 साल की सेवा के बाद पद से हटाए गए सिल्विया : सिल्विया से पहले इस पद पर रहे लेफ्टिनेंट जनरल जोसेफ मैक्गो को भी पिछले साल अक्टूबर में रिटायर होना पड़ा था। इस घटनाक्रम की खबर सबसे पहले द अटलांटिक ने दी थी। जॉइंट स्टाफ के प्रवक्ता ने सिल्विया और उनके परिवार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने देश की 32 साल



तक सेवा की है। हालांकि, उन्हें हटाने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की गई।

ईरान पर हमले की चर्चा के बीच फैसला : सिल्विया को ऐसे समय में हटया गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं। इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप कई बार ईरान के खिलाफ अभियान पूरा करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि

मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर दोबारा हमले किए जा सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

मामले की जानकारी रखने वाले दो राजनयिकों के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने मध्य पूर्व के कई देशों और क्षेत्रीय सहयोगियों की संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्हें ईरान की ओर से जवाबी हमले की आशंका को लेकर भी सतर्क किया गया है। इस बीच, अमेरिका का तीसरा विमानवाहक पोत और हजारों अतिरिक्त सैनिक भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं।

सैन्य रणनीति बनाने में अहम थी सिल्विया की भूमिका : जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में छुट्टे विभाग अमेरिकी सेना की रणनीति और सैन्य योजनाएं तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। यह विभाग सैन्य अभियानों को योजना बनाने और सेना के शीर्ष

अधिकारियों के बीच तालमेल स्थापित करने का काम करता है। इससे पहले सिल्विया एटकी के फोर्ट कैम्पबेल में 101वीं एयरबोर्न डिवीजन के कमांडर थे। वह छुट्टे के उपनिदेशक के रूप में भी काम कर चुके हैं। हेगसेथ के कार्यकाल में बड़े बदलाव रक्षा सचिव और क्षेत्रीय सहयोगियों के कार्यकाल में अब तक करीब दो दर्जन जनरल, एडमिरल और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पद छोड़ चुके हैं या उन्हें हटया गया है। इनमें सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। ज्यादातर मामलों में पेंटागन ने सांख्यिक तौर पर कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई है। हेगसेथ ने पिछले महीने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पदों में कटौती तैय करके का आदेश दिया था। योजना के मुताबिक, 1 जनवरी 2027 तक जनरल और फ्लैग ऑफिसर स्तर के पदों में 20 फीसदी की कमी की जानी है। फिलहाल ऐसे करीब 800 पद हैं।

पहले खुद को राष्ट्रपति बताया, फिर बदला बयान : फ्ल्टावियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक खुला लेटर पोस्ट किया. इसमें उन्होंने पहले खुद को निर्वाचित राष्ट्रपति बताया. बाद में उन्होंने यह पोस्ट हटा दी और नया लेटर जारी किया. इसमें उन्होंने खुद को ब्राजील का सही नेता बताया. उन्होंने कहा कि उनके 6 करोड़ समर्थकों और पूरे ब्राजील को जानना चाहिए कि वही देश के नेता हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी करने वाले लोग एक अपराधी संगठन का हिस्सा हैं, जिसने देश में तानाशाही कायम कर दी है. हालांकि, ब्राजील के संघीय चुनाव न्यायालय, कई देशों के नेताओं, अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और फ्ल्टावियो की अपनी पार्टी ने लूला को जीत को मान्यता दी है. चुनाव

अमेरिका में संघ की पहुंच बढ़ाएगा आरएसएस फ्रेंड्स: विदेशी एजेंट के रूप में कराया पंजीकरण

वांशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समर्थकों के एक समूह ‘आरएसएस फ्रेंड्स’ ने अमेरिकी न्याय विभाग में विदेशी एजेंट के रूप में पंजीकरण कराया है। समूह का उद्देश्य अमेरिका में संघ के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उसके संबंध में गलत, अधूरी या संदर्भ से हटकर दी गई जानकारी का जवाब देना है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, आरएसएस फ्रेंड्स ने 27 अगस्त को विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (एफएआरए) के तहत पंजीकरण कराया। पंजीकरण दस्तावेज में समूह ने जॉर्जिया का एक पता दिया है। उसने नई दिल्ली के केशव कुंज स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपना विदेशी प्रमुख बताया है।

गलत और अधूरी जानकारी का जवाब देना भी उद्देश्य : आरएसएस फ्रेंड्स ने अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में ऐसी जानकारी को ठीक करना या उसका जवाब देना भी शामिल किया है, जिसे समूह संघ के बारे में गलत, अधूरा या जरूरी संदर्भ से रहित मानता है। समूह ने कहा कि आरएसएस के साथ उसका कोई लिखित रोजगार, परामर्श, लॉबिंग, जनसंपर्क या एजेंसी समझौता नहीं है, जिसमें काम का स्पष्ट विवरण, भुगतान या संचालन संबंधी विस्तृत निर्देश तय किए गए हों। हालांकि, समूह ने यह भी स्पष्ट किया कि

लिखित समझौते का नहीं होना इस बात का प्रमाण नहीं है कि दोनों के बीच कोई संबंध, अनुरोध, समझ, समन्वय, अनुमति या निर्देश नहीं हैं। उसने कहा कि वह अपनी गतिविधियों से जुड़े वास्तविक तथ्यों का खुलासा करेगा।

शैक्षणिक और जनसंपर्क गतिविधियों पर जोर : समूह के मुताबिक, उसकी प्रस्तावित गतिविधियां मुख्य रूप से सूचना देने, शिक्षा, जनसंपर्क और समुदाय से जुड़ाव पर केंद्रित होंगी। इसके तहत वह आम लोगों, प्रकार्यों, मीडिया संस्थानों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक और नीति संस्थानों, सामुदायिक नेताओं तथा नागरिक समाज संगठनों से संवाद कर सकता है। लागू कानून के अनुरूप जरूरत पड़ने पर सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों से भी संपर्क किया जा सकता है। आरएसएस फ्रेंड्स ने संघ को भारत में स्थित स्वयंसेवी और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बताया है। पंजीकरण दस्तावेज में राजेंद्र सोनारिकर, जयंत पंत और देवानंद गड्डम को समूह के निदेशक मंडल का सदस्य बताया गया है।

कार्यक्रमों में भागीदारी भी प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल समूह ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामुदायिक और सूचना संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने या उनमें हिस्सा लेने को भी अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल किया है।

ब्राजील: इलेक्टोरल कोर्ट ने कहा, ‘चुनाव कानून और संविधान के अनुरूप हुए संपन्न’



एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह बयान तब आया जब सीनेटर फ्लेवियो बोलसोनारो ने एक खुले पत्र में चुनावी धांधली का आरोप लगाया। बता दें कि रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर (रनऑफ) में बोलसोनारो को मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा से हार का सामना करना पड़ा था।

बोलसोनारो ने ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट (एसटीएफ) पर आरोप लगाया कि उसने मतदान का समय दो घंटे बढ़ाकर टीएसई के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मतदान

का समय बढ़ाने का आदेश आधिकारिक सभापन समय के बाद दिया गया, जिससे मतदाताओं के साथ असमान व्यवहार हुआ। उन्होंने टीएसई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले का बचाव तो किया, लेकिन कोई ठोस या विश्वसनीय जवाब नहीं दिया।

रविवार को दोनों राष्ट्रपति उम्मीदवारों की इलेक्शन कैंपेन टीम ने बताया कि वोटर्स को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में कठिनाई हुई, जिसके बाद एसटीएफ ने मतदान का समय शाम 7 बजे (2200 जीएमटी)

तक बढ़ाने का आदेश दिया गया। यह आदेश केवल उन मतदान केंद्रों पर लागू हुआ जो शाम 5 बजे तक खुले थे; जो केंद्र पहले ही बंद हो चुके थे, उन्हें दोबारा नहीं खोला गया। रविवार को हुए दूसरे दौर के मतदान में लूला ने बोलसोनारो को 40 लाख (4 मिलियन) से अधिक वोटों के अंतर से हराया। ब्राजीलियाई मीडिया के अनुसार, शाम 5 बजे के निर्धारित समापन समय के बाद केवल 34,300 वोट डाले गए, जो लूला की जीत के अंतर की तुलना में बहुत कम हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बोलसोनारो और उनका परिवार बुधवार सुबह फ्लोरिडा के मियामी पहुंच गए। बताया जा रहा है कि उनका विमान अर्जेंटीना से उड़ान भरने के बाद इक्वाडोर में रुका और फिर अमेरिका के इस शहर में उतरा। जिसमें बोलसोनारो को अपना पासपोर्ट फेडरल पुलिस को सौंपने और देश छोड़ने से प्रतिबंधित करने के लिए कहा गया था।

अमेरिका पहुंचकर फ्लावियो बोलसोनारो बोले- चुनाव में धांधली हुई, मैं ब्राजील का असली नेता

मियामी , एजेंसी। ब्राजील के सीनेटर फ्लावियो बोलसोनारो अमेरिका के मियामी पहुंच गए हैं. वहां पहुंचकर उन्होंने खुद को ब्राजील का असली नेता बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि देश के सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्व्वा ने चुनाव में धांधली करके उन्हें सत्ता से दूर रखा. हालांकि, लूला ने चुनाव में करीब 45 लाख वोटों से जीत हासिल की है. फ्ल्टावियो ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश को भी नहीं माना, जिसमें उन्हें अपने पासपोर्ट जमा करने को कहा गया था. उन्होंने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को अमेरिका पहुंचने में मदद के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया, जिन्होंने फ्ल्टावियो और उनके परिवार को अमेरिका आने का वीजा दिया.

पहले खुद को राष्ट्रपति बताया, फिर बदला बयान : फ्ल्टावियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक खुला लेटर पोस्ट किया. इसमें उन्होंने पहले खुद को निर्वाचित राष्ट्रपति बताया. बाद में उन्होंने यह पोस्ट हटा दी और नया लेटर जारी किया. इसमें उन्होंने खुद को ब्राजील का सही नेता बताया. उन्होंने कहा कि उनके 6 करोड़ समर्थकों और पूरे ब्राजील को जानना चाहिए कि वही देश के नेता हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी करने वाले लोग एक अपराधी संगठन का हिस्सा हैं, जिसने देश में तानाशाही कायम कर दी है. हालांकि, ब्राजील के संघीय चुनाव न्यायालय, कई देशों के नेताओं, अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और फ्ल्टावियो की अपनी पार्टी ने लूला को जीत को मान्यता दी है. चुनाव



आयोग के प्रमुख कासियो नूनस मार्केस ने भी कहा कि चुनाव कानून और संविधान के नियमों के मुताबिक हुआ था. ट्रंप ने फ्ल्टावियो के बयान पर कुछ कहने से इनकार किया. हालांकि, वह पहले ब्राजील के चुनाव को बहुत अजीब बता चुके हैं.

चुनाव रद्द कराने की मांग पर सफलता की उम्मीद कम : फ्ल्टावियो ने चुनाव में धांधली का कोई सबूत नहीं दिया. उनका आरोप है कि लूला के समर्थन वाले सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने रविवार को मतदान का समय दो घंटे बढ़ा दिया था. लूला की पार्टी ने उत्तर-पूर्वी राज्यों में वोटों को मतदान से रोकने की शिकायत की थी. दूसरी ओर, फ्ल्टावियो की पार्टी ने भी बारिश के कारण दक्षिणी राज्यों में मतदान का समय बढ़ाने की मांग की थी. इंस्पेक्टर प्रोफेसर पेद्रो बुर्गोस के एनालिसिस के मुताबिक, एक्स्ट्रा दो घंटों में 35 हजार से कम वोट पड़े. यह कुल वोटों का करीब 0.03 फीसदी है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चुनाव रद्द कराने की फ्ल्टावियो की मांग सफल होने की संभावना बहुत कम है. फ्ल्टावियो ने कहा कि वह ब्राजील से भागे नहीं, बल्कि खुद और परिवार को बचाने के लिए देश छोड़कर गए हैं.

संक्षिप्त डायरी

बंदी को 16 दिन अवैध रूप से जेल में रखा, जेल

उपाधीक्षक की वेतनवृद्धि रोकी; 50 हजार रुपये हजार्ना

एजेंसी
पटना। बिहार के हाजीपुर मंडल कारा में जमानत और रिहाई का आदेश मिलने के बावजूद रामनिवास गुप्ता को 16 दिन तक जेल में रखने के मामले में गृह विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने तत्कालीन जेल उपाधीक्षक और वर्तमान में बगहा उपकारा में तैनात भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी है। बिहार में एक बंदी को रिहाई का आदेश मिलने के बावजूद 16 दिन तक जेल में रखने के मामले में गृह विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। हाजीपुर मंडल कारा के तत्कालीन उपाधीक्षक और वर्तमान में बगहा उपकारा में तैनात भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। इसके साथ ही प्रशासनिक लापरवाही के लिए दोषी अधिकारी से 50 हजार रुपये की वसूली कर पीड़ित बंदी को देने का आदेश दिया गया है। यह कार्रवाई पटना उच्च न्यायालय के निर्देश और विभागीय जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद की गई है। जमानत और रिहाई का आदेश मिलने के बाद भी 16 दिन जेल में रहा बंदी पूरा मामला हाजीपुर मंडल कारा में बंद रहे रामनिवास गुला से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, रामनिवास गुला को न्यायालय से जमानत और रिहाई का स्पष्ट आदेश मिल गया था। इसके बावजूद जरूरी अभिरक्षा अधिपत्र (कस्टडी वारंट) और उचित प्रधिकार पत्र नहीं होने के कारण उन्हें जेल से रिहा नहीं किया गया। इस लापरवाही के चलते बंदी को 21 सितंबर 2024 से 7 अक्टूबर 2024 तक यानी कुल 16 दिन अतिरिक्त जेल में रहना पड़ा। इस मामले को लेकर पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। पटना हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, एक लाख रुपये मुआवजे का आदेश मामले की सुनवाई के दौरान पटना उच्च न्यायालय ने बंदी को निर्धारित समय के बाद भी जेल में रखने पर कड़ी नाराजगी जताई। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता रामनिवास गुप्ता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इसके बाद सरकार ने प्रशासनिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारी से 50 हजार रुपये की राशि वसूलकर पीड़ित को देने का फैसला किया। विभागीय जांच में उपाधीक्षक पर लगे आरोप सही पाए गए इस मामले में कराई गई विभागीय जांच के दौरान तत्कालीन जेल उपाधीक्षक भजन दास पर लागू गए आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने अधिकारी से मांगा गया दूसरा स्पष्टीकरण भी अस्वीकार कर दिया। इससे पहले मामले में उन्हें निर्लांबित भी किया गया था। एक वेतनवृद्धि रोकी, निर्लंबन अवधि को लेकर भी आदेश जारी बिहार कारा एवं सुधार सेवाएं के महानिदेशक की स्वीकृति मिलने के बाद गृह विभाग ने बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत दंडात्मक आदेश जारी किया है। इसके तहत भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया गया है। आदेश में निर्लंबन अवधि के भुगतान और सेवा गणना को लेकर भी र्थित स्पष्ट की गई है। इसके अनुसार, निर्लंबन अवधि के दौरान अधिकारी को केवल जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। हालांकि, इस अवधि की गणना पेंशन प्रदायी सेवा के रूप में की जाएगी। इस कार्रवाई के जरिए गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के रिहाई आदेश के बावजूद किसी बंदी को जेल में रखना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है और इसके लिए संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

पटना में शुरु होगा कार्डिफॉन 2026, 500 हृदय रोग विशेषज्ञ जुटेंगे

एजेंसी

पटना । पटना में आज से कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन कार्डिफॉन 2026 शुरु हो रहा है। इसमें देशभर के करीब 500 हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक सर्जन और चिकित्सक शामिल होंगे। आइये जानते हैं विशेषज्ञ क्या-क्या चर्चा करेंगे बिहार में दय रोगों की रोकथाम और आधुनिक उपचार तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पटना में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन 2026 आयोजित किया जा रहा है। होटल मौर्या में 30 अक्तूबर से शुरू होने वाले इस सम्मेलन का मुख्य आयोजन 31 अक्तूबर और एक नवंबर को होगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'प्रिवेंशन टू इंटरवेंशन' (रोकथाम से उपचार तक) रखी गई है। सीएसआई बिहार चैप्टर के अध्यक्ष एवं एम्स पटना के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभागाध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि इसमें बिहार और देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 500 हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक सर्जन और सामान्य चिकित्सक हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का शुभारंभ 31 अक्तूबर को शाम चार बजे बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत करेंगे। इस दौरान हृदय रोगों की शुरुआती पहचान, आधुनिक उपचार पद्धतियों, जटिल एंजियोप्लास्टी, हार्ट फेल्योर, हार्ट सर्जरी और हृदय रोगों से बचाव के उपायों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। खास बात यह है कि बिहार कार्डिसल ऑफ मेडिकल रजिस्ट्रेशन ने सम्मेलन को डॉक्टरों के लिए आठ सीएमई क्रेडिट आवर्स की मान्यता दी है। नवजात बच्चों के हृदय उपचार पर विशेष व्याख्यान आयोजन अध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बीबी भारती ने बताया कि सम्मेलन के वैज्ञानिक कार्यक्रम में नवजात शिशुओं के हृदय रोगों के उपचार पर विशेष सत्र आयोजित होगा। इसमें प्रतिष्ठित डॉ. एंके ठाकुर मेमोरियल ओरेशन दिया जाएगा। इसे बैंगलुरु की बाल हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. आईबी विजयलक्ष्मी प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा सीएसआई बिहार चैप्टर के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. यूसी सामल और डॉ. एसएस चटर्जी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में आजीवन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान दिया जाएगा। देशभर के विशेषज्ञ साझा करेंगे आधुनिक उपचार तकनीक सीएसआई बिहार चैप्टर के सचिव और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक सत्रों में देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ जटिल हृदय रोगों के उपचार और आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान देंगे। एम्स नई दिल्ली के डॉ. राकेश यादव और लखनऊ के डॉ. ऋषि सेठी जटिल एंजियोप्लास्टी और इमेजिंग आधारित उपचार तकनीकों पर चर्चा करेंगे। वहीं, कोलकाता के डॉ. दिलीप कुमार कैलियाम की अधिकता के कारण जटिल हुई एंजियोप्लास्टी के उपचार की तकनीकों की जानकारी देंगे। एम्स नई दिल्ली के डॉ. एस. रामकृष्णन जन्मजात हृदय रोगों के उपचार के सही समय पर चर्चा करेंगे। हार्ट फेल्योर और सर्जरी से जुड़े सत्र में कोलकाता के डॉ. सौमित्र रे और दिल्ली के डॉ. विवेक कुमार शामिल होंगे। बैंगलुरु के कार्डियक सर्जन डॉ. सीएस विरेमठ भारत में हार्ट वाल्व बैंक के विकास पर जानकारी देंगे। वहीं, डॉ. एसके सिन्हा बीटिंग हार्ट और ऑन-पंप बाईपास सर्जरी के परिणामों का विश्लेषण करेंगे। युवाओं में बढ़ते हृदय रोग और बचाव पर भी चर्चा वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि सम्मेलन में हृदय रोगों से बचाव और जीवनशैली में बदलाव पर भी विशेष जोर रहेगा। दिल्ली के डॉ. मोहित गुप्ता और सीएमसी वेल्लोर के पूर्व निदेशक डॉ. सुनील थॉमस चांडी भारत में गैर-संचारी रोगों के तेजी से बढ़ने के कारणों पर चर्चा करेंगे। सीएमसी वेल्लोर के कार्डियोलॉजी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. जैकब जोस शुरुआती कोरोनरी आर्टरी डिजोज में कैल्सीफिकेशन की भूमिका बताएंगे। इसके अलावा अचानक कार्डियक डेथ, हार्ट रिदम की गड़बड़ी और आधुनिक पेंसिंग तकनीकों पर भी विशेषज्ञ अपनी राय रखेंगे। हाई रिस्क कार्डियो-ऑब्स्टेट्रिक्स के सत्र में लखनऊ की डॉ. रूपाली खन्ना और नोएडा के डॉ. शुभेंदु मोहंती गर्भवती महिलाओं में हृदय रोगों से जुड़ी जटिलताओं और सावधानियों पर चर्चा करेंगे। कार्डिफॉन 2026 में स्नाकोवर (पीजी) मेडिकल छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें वरिष्ठ परीक्षक और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ छात्रों को हृदय रोगों के निदान और उपचार से जुड़ी जानकारी देंगे। बिहार के वरिष्ठ चिकित्सक भी अपने व्याख्यान और केस प्रेजेंटेशन के माध्यम से अनुभव साझा करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. विपिन कुमार के अनुसार, इस सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय चिकित्सकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो रही आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से जोड़ना है। इससे राज्य में हृदय रोगों की बेहतर पहचान, समय पर उपचार और चिकित्सा सेवाओं में सुधार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बिहार में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का तांडव: कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात को लेकर रेड व ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज भी जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के कारण बिहार में बारिश और तेज हवा के कारण अब ठंड लगने लगी है। कई जिलों में बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और बारिश की संभावना है। पटना समेत कई जिलों सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटे तक उत्तर बिहार के कुछ जिलों में मौसम ज्यादा खराब रह सकता है। सीतामढ़ी और मधुबनी में रेड वार्निंग जारी की गई



है। वहीं, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और दरभंगा में ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, सारण, सिवान, गोपालगंज, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम के इस बदलाव के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश और वज्रपात की आशंका है। हवा की

रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। पटना समेत किन जिलों में किस तरह का अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार, सीतामढ़ी और मधुबनी में रेड वार्निंग जारी की गई है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश और वज्रपात की आशंका है। मौसम के गंभीर प्रभाव को देखते हुए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण,

शिवहर और दरभंगा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में गरज-चमक, बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पटना समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा शामिल हैं। इन जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक, वज्रपात और बारिश की आशंका है। लोगों को खराब मौसम

के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पटना में अगले पांच दिनों तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के पूर्वानुमान के अनुसार, राजधानी में 30 अक्टूबर को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 31 अक्तूबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। एक नवंबर को भी बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दो नवंबर

को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश या बूंदबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। तीन नवंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम खराब होने पर क्या सावधानी बरतें? बारिश, तेज हवा और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। गरज-चमक के दौरान खुले मैदान में जाने से बचें। पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं के नीचे शरण न लें। किसानों को भी खराब मौसम के दौरान खेतों में काम करने से बचने और मौसम की चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

अपराध स्वीकार करने वाले ट्रांसपोर्टर को 16 महीने से अधिक की सजा

एजेंसी

पटना। बिहार के बहुचर्चित अलकतरा घोटाले से जुड़े मामले में पटना की सीबीआई विशेष अदालत ने ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह उर्फ डीएन सिंह को एक वर्ष, चार माह और 18 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 29 लाख रुपये का जुमाना भी लगाया, जिसे उसने जमा करा दिया। पटना में बिहार के बहुचर्चित अलकतरा घोटाले से जुड़े एक मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने अपराध स्वीकार करने वाले ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह उर्फ डीएन सिंह को एक वर्ष, चार माह और 18 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 29 लाख रुपये का जुमाना भी लगाया है। दोषी ट्रांसपोर्टर ने जुमाने की पूरी राशि अदालत में जमा करा दी, जिसके बाद उसके खिलाफ चल रहे मुकदमे का निष्पादन कर दिया गया। इस मामले में तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन और तत्कालीन निदेशक केदार पासवान के



खिलाफ अदालत में अंतिम बहस जारी है। अपराध स्वीकार करने पर अदालत ने सुनाई सजा पटना स्थित सीबीआई की विशेष अदालत संख्या-दो के न्यायाधीश मोहम्मद रुस्मत ने ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह की ओर से दखिल दोष स्वीकारोक्ति आवेदन पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी का बयान दर्ज करने के बाद उसे भारतीय दंड विधान की धारा 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने ट्रांसपोर्टर की ओर से पहले जेल में बिताई गई अवधि को उसकी कारावास की सजा

में समायोजित करने का आदेश दिया। इसके अलावा दोषी दूधेश्वर नाथ सिंह ने 29 लाख रुपये की जुमाना राशि अदालत में जमा करा दी। इसके बाद अदालत ने उसके खिलाफ चल रहे मुकदमे को विधिवत निष्पादित कर दिया। पूर्व मंत्री और तत्कालीन निदेशक के खिलाफ अंतिम बहस इसी मामले में नामजद अन्य प्रमुख आरोपियों में तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन और तत्कालीन निदेशक (परचेज एंड ट्रांसपोर्ट) केदार पासवान शामिल हैं। इन दोनों के खिलाफ अदालत में अंतिम बहस की प्रक्रिया जारी है।

वैश्विक सूची में नौवां स्थान; भारत और एशिया का इकलौता संग्रहालय

एजेंसी

पटना। बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। पटना स्थित बिहार म्यूजियम को वर्ष 2026 के दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों की सूची में नौवां स्थान मिला है। ह्रद्यर्थ अ जर्नीह की ओर से जारी इस सूची में जगह बनाने वाला यह भारत का एकमात्र संग्रहालय है।बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। राजधानी पटना स्थित बिहार म्यूजियम को वर्ष 2026 के दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों की सूची में नौवां स्थान दिया गया है। यात्रा संबंधी जानकारी देने वाली संस्था ह्रद्यर्थ अ जर्नीह की ओर से जारी इस वैश्विक सूची में जगह बनाने वाला बिहार म्यूजियम भारत का एकमात्र संग्रहालय है। इतना ही नहीं, दुनिया के शीर्ष 10 संग्रहालयों में शामिल होने वाला यह एशिया का भी इकलौता संग्रहालय है। इस उपलब्धि से बिहार की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान

मिली है। दुनिया के दिग्गज संग्रहालयों के बीच बिहार म्यूजियम ह्रद्यर्थ अ जर्नीह की ओर से जारी सूची में मेक्सिको सिटी स्थित राष्ट्रीय मानवशास्त्र संग्रहालय को पहला स्थान मिला है। स्पेन की राजधानी मैड्रिड का प्राडो संग्रहालय दूसरे स्थान पर है। वहीं, डेनमार्क का लुईसियाना आधुनिक कला संग्रहालय, रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित स्टेट हर्मिटेज संग्रहालय और ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना का कुन्स्टहिटोरिस्चेस संग्रहालय शीर्ष पांच में शामिल हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित संग्रहालयों के बीच बिहार म्यूजियम का नौवां स्थान हासिल करना राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। इवहीं, एशिया के शीर्ष 10 में जगह बनाने वाला भी यह एकमात्र संग्रहालय है।पटना के बेली रोड पर स्थित बिहार म्यूजियम का उद्घाटन वर्ष 2015 में हुआ था। इसकी स्थापना का उद्देश्य बिहार के समृद्ध इतिहास, कला और पुरातात्विक धरोहरों को आधुनिक तरीके से लोगों के सामने प्रस्तुत करना है। संग्रहालय की इमारत का डिजाइन जापान के प्रसिद्ध वास्तुकार फुमिहiko माकी ने

मुंबई की ओपोलिस आर्किटेक्चर्स के साथ मिलकर तैयार किया था। आधुनिक वास्तुकला और ऐतिहासिक विरासत का मेल इस संग्रहालय को खास पहचान देता है। मौर्य, मुगल और सूर वंश की विरासत का संग्रह बिहार म्यूजियम में प्राचीन भारत से लेकर वर्ष 1764 तक के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां, मूर्तियां, सिक्के, पांडुलिपियां और लोककला का संग्रह मौजूद है। यहां की दीघाओं को अलग-अलग ऐतिहासिक कालखंडों के अनुसार व्यवस्थित किया गया है। इनमें मौर्य, मुगल और सूर वंश से जुड़ी ऐतिहासिक विरासत भी देखने को मिलती है।यहां आने वाले लोगों को प्राचीन कला, संस्कृति और ऐतिहासिक घटनाओं को करीब से समझने का अवसर मिलता है। मौर्यकालीन दीदारगंज यक्षी की प्रतिमा खास आकर्षण बिहार म्यूजियम की सबसे चर्चित कलाकृतियों में मौर्यकालीन दीदारगंज यक्षी की प्रतिमा शामिल है। वर्ष 1917 में पटना के पास मिली यह प्रतिमा प्राचीन भारतीय मूर्तिकला की प्रसिद्ध कृतियों में गिनी जाती है।

पटना में सड़क पर उतरे अभाविप के कार्यकर्ता, 'लोकतंत्र बचाने और अराजकता रोकने की अपील'

एजेंसी

पटना। पटना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको के नारे के साथ सड़क पर उतर गए हैं। संगठन की ओर से गांधी मैदान से इनकम टैक्स चौहद्दे तक विवाहल जनसभा और विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। अभाविप ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। पटना में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का विवाहल विरोध प्रदर्शन जारी है। 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको' के आह्वाण पर परिषद के कार्यकर्ता और विद्यार्थी सड़क पर उतरकर मार्च निकाल रहे हैं। प्रदर्शन गांधी मैदान से शुरू होकर इनकम टैक्स



चौहद्दे तक जा रहा है। कार्यक्रम में दिल्ली विभवविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष यश डबास भी शामिल हुए हैं। अभाविप का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता, गरिमा और मर्यादा का सम्मान जरूरी है। संगठन इस प्रदर्शन के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का

संदेश दे रहा है। युवाओं से लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आने की अपील अभाविप बिहार प्रदेश के प्रदेश मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह संवैधानिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सम्मान का आधार है। जब लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की

गरिमा पर आघात होता है, तब युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि अभाविप लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से इस अभियान में सहभागि बनने की अपील की। लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रयास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बिहार प्रदेश ने कहा कि यह कार्यक्रम लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रयास है। परिषद युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान का संदेश समाज तक पहुंचाएगी

आईएएस संतोष मल्ल से ईडी ने आठ घंटे की पूछताछ, दो अन्य अधिकारी भी जांच के दायरे में

एजेंसी

पटना। बिहार के चर्चित टेंडर घोटाले और धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस अधिकारी संतोष कुमार मल्ल से करीब आठ घंटे पूछताछ की। उसने ठेकेदार रिशु श्री से संबंधों, आम की डिलीवरी, दिल्ली में मुलाकात और सात प्रतिशत कमीशन के आरोपों पर सवाल किए गए। बिहार में सरकारी टेंडरों में कथित अनियमितता और धन शोधन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेज हो गई है। ठेकेदार रिशु श्री से जुड़े टेंडर घोटाले में एजेंसी ने गुरुवार को आईएएस अधिकारी संतोष कुमार मल्ल से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उसने ठेकेदार से संबंधों, आम की डिलीवरी, दिल्ली में रहने वाले एक युवक से मुलाकात और सात प्रतिशत कमीशन के आरोपों को लेकर सवाल किए गए। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आईएएस अधिकारी कई महत्वपूर्ण सवालों पर स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। वहीं, मामले में दो अन्य अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। आम की डिलीवरी और सात प्रतिशत कमीशन पर पूछे सवाल ईडी की जांच टीम ने संतोष कुमार मल्ल से पूछा कि वह रिशु श्री से आम क्यों मांग रहे थे और उसकी डिलीवरी दिल्ली में ही क्यों करानी थी? इसके अलावा,



दिल्ली में उसने मिलने आए युवक की पहचान और दोनों के बीच सात प्रतिशत कमीशन को लेकर भी सवाल किए गए। एजेंसी यह जानने की कोशिश कर रही है कि ठेकेदार और अधिकारियों के बीच किस तरह का लेनदेन और संपर्क था। आईएएस अधिकारियों से पूछताछ का सिलसिला जारी सरकारी टेंडरों में कथित अनियमितता और अधिकारियों व ठेकेदार के बीच गठजोड़ की जांच के तहत ईडी लगातार आईएएस अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। इससे पहले बुधवार को बीएमएसआईसीएल के तत्कालीन प्रबंध निदेशक आईएएस धर्मेन्द्र कुमार पटना स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे थे। उसने करीब छह घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। अधिकारियों ने धर्मेन्द्र कुमार से रिशु श्री के साथ उनकी नजदीकी और ठेकेदार की ओर से कराई गई विदेश यात्राओं के बारे में जानकारी मांगी।

अंडा खाने निकले जमीन कारोबारी को गोलियों से भूना, चार गोलियां लगने से हालत गंभीर

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना स्थित फुलवारी शरीफ के ईसापुर इलाके में गुरुवार देर रात बाइक सवार चार हथियारबंद अपराधियों ने जमीन कारोबारी मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू (35) पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। घर से करीब 100 मीटर दूर सड़क किनारे अंडा खाते समय उन्हें निशाना बनाया गया। बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों ने एक जमीन कारोबारी को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के ईसापुर पुरानी मस्जिद के पास गुरुवार देर रात करीब 9:15 बजे बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू (35) को गोली मार दी। उन्हें चार गोलियां लगीं हैं। गंभीर रूप से घायल कारोबारी को पुलिस ने तत्काल पटना एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस घटनास्थल से चार खोखे बरामद कर मामले की जांच में जुटी है। घर से 100 मीटर दूर अंडा खाने पहुंचे थे छोटू स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू ईसापुर पुरानी मस्जिद के पास मुर्गिया टोला के रहने वाले हैं। वह जमीन की खरीद-बिक्री का कारोबार करते हैं। गोलियों की आवाज से इलाके में मची अफरा-तफरी अचानक हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए और अपनी सुरक्षा के लिए घरों और दुकानों में छिप गए। घटना के समय मौसम भी खराब था और बारिश हो रही थी। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों अपराधी बाइक से फरार हो गए।

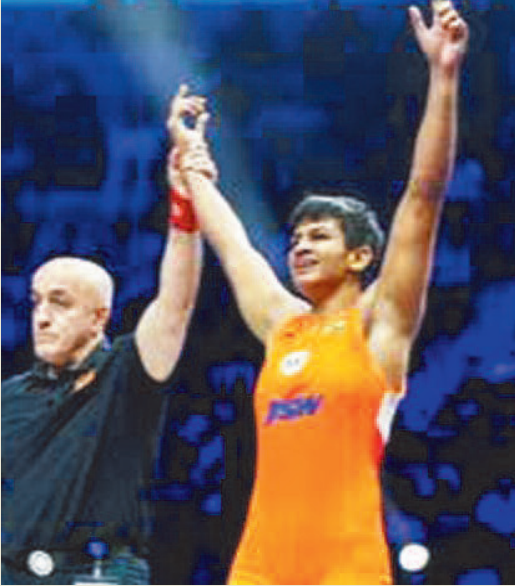
विश्व कुश्ती चैंपियनशिप... कजाखस्तानमें तनु शर्माने रचा इतिहास

नई दिल्ली। बचपन में एक कुत्ते के हमले का डटकर मुकाबला करने वाली हरियाणा की तनु शर्मा ने अब कुश्ती के मैट पर दुनिया की दिग्गज पहलवानों को पटखनी देकर इतिहास रच दिया है। कजाखस्तान के अस्ताना में आयोजित 2026 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 20 साल की तनु शर्मा ने महिलाओं के 72 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में अमेरिका की प्रेशियस बेल को 9-5 से हराया। तनु शर्मा इसके साथ ही विश्व रेसलिंग चैंपियनशिप में इस भार वर्ग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बन गईं। संस्कृत विषय के शिक्षक की बेटी तनु शर्मा की सीनियर स्तर पर यह पहली विश्व चैंपियनशिप थी। वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जब तनु शर्मा का मुकाबला प्रेशियस बेल से हो रहा था। तब अस्ताना से करीब 3000 किलोमीटर दूर हरियाणा के हांसी जिले के भकलाना गांव में उनके पिता वीरेंद्र

शर्मा घर में बेचैनी से इधर-उधर टहल रहे थे। सरकारी स्कूल में संस्कृत के शिक्षक वीरेंद्र शर्मा घबराहट के कारण कभी अपनी बेटी का मैच नहीं देखते। जब तनु शर्मा ने प्रेशियस को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता तो परिजन खुशी से झूम उठे। यह देखकर वीरेंद्र शर्मा ने राहत की सांस ली। वीरेंद्र शर्मा ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' को बताया, 'मैं अपनी बेटी का मैच कभी नहीं देखता। इससे मुझे घबराहट होती है।' उनकी बड़ी बेटी दौड़ती हुई उनके पास आई और उन्हें यह अच्छे खबर सुनाई। तनु शर्मा की बहन प्रियंका ने मजाक में कहा, 'पापा हमेशा मैच का रीप्ले देखते हैं और वह भी तब जब तनु शर्मा जीत जाती है। अगर वह हार जाए तो पापा मैच नहीं देख पाते।' तनु शर्मा ने अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सीनियर स्तर पर डेब्यू साल का शानदार समापन किया। इससे पहले इसी साल तनु शर्मा ने 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

मजबूत और निडर बच्ची

तनु शर्मा एक ऐसे परिवार से आती हैं जहां पढ़ाई-लिखाई को अहमियत दी जाती है। शिक्षक पिता की बेटी तनु शर्मा की बड़ी बहन भी शिक्षिका बनने के लिए क़क्षस कर रही हैं। हालांकि, तनु शर्मा की बचपन से ही खेलों में रुचि थी। वीरेंद्र शर्मा ने बताया, 'वह बचपन से ही काफी मजबूत थी। जब वह तीसरी कक्षा में थी तो एक घटना घटी जो काफी डरावनी थी। एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, लेकिन तनु ने डटकर मुकाबला किया और उसे खदेड़ दिया। बाद में उसने हमें बताया कि इस दौरान कुत्ते ने उसे काट भी लिया था। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन हमें यह समझ आ गया था कि वह कितनी मजबूत है।' तनु के शरीर की बनावट और खेलों में उनकी रुचि को देखते हुए उनके चाचा नरेंद्र फौजी चाहते थे कि वह एक पहलवान बनें।



सीनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन

2026 विश्व चैंपियनशिप तनु का पहला सीनियर टूर्नामेंट था। अपनी पहले विश्व चैंपियनशिप में ही कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। संजय इसका श्रेय तनु शर्मा की मानसिक मजबूती और समझदारी को देते हैं। संजय सिहाग ने बताया, 'तनु एक समझदार पहलवान है। पहलवानों के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे खेल की समझ (गेम इंटेलिजेंस) बेहतर होती है। तनु अपनी ताकत के साथ-साथ दिमाग का भी इस्तेमाल करती है।' विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में तनु शर्मा अपना पहला मुकाबला पोलैंड की विक्टोरिया चोलुज से हार गई थीं। हालांकि, विक्टोरिया के फाइनल में पहुंचने के बाद तनु शर्मा ने 'रेपेचेज' राउंड में ट्यूनीशिया की मौजूदा अफ्रीकी चैंपियन जैनब सघायर को हराया। फिर कांस्य पदक मुकाबले में मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन बेल को मात दी। संजय ने बताया, 'तनु स्वभाव से काफी भावुक है। पदक जीतने के बाद जब उसने मुझे फोन किया तो वह रो रही थी। हालांकि, भावुकता कभी-कभी उसके लिए मददगार भी साबित होती है।



नोवाक जोकोविच की स्विस् इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच की स्विस् इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक रही, क्योंकि गुरवार को सर्बियाई खिलाड़ी को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ के हाथों दूसरे दौर में नाटकीय हार का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय खिलाड़ी दो घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए और अपने शानदार खिताबों के संग्रह में एक और खिताब जोड़ने का मौका गंवा बैठे। इस हार का मतलब यह भी है कि जोकोविच को रोजर फेडरर के 103 करियर खिताबों के अंतर को कम करने के लिए इंतजार करना होगा। 24 बार के ग्रैंड स्लेम चैंपियन ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन में अपना 102वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। पुरुष टैनिस् में केवल फेडरर (103 खिताब) और जिमी कॉर्नर्स (109 खिताबों के साथ सर्वकालिक रिकॉर्ड) ने ही जोकोविच से अधिक एकल खिताब जीते हैं। जोकोविच के बेसल अभियान में इतिहास का एक और पहलू जुड़ गया। 2011 के बाद पहली बार वह इस टूर्नामेंट में लौटे थे, जहां उन्होंने 2009 में फेडरर को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। बेसल में पहले-बड़े फेडरर ने अपने गृहनगर में रिकॉर्ड 10 बार ट्राफी जीती है और 2010 के फाइनल में जोकोविच को मात दी थी। सर्बियाई खिलाड़ी 2011 में सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज स्ट्रफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बाहर कर दिया। जोकोविच ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जीता, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपने पहले ब्रेक-पॉइंट को भुनाते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट एक और टाई-ब्रेक में गया, जहां स्ट्रफ ने संयम बनाए रखा और अपने 27वें ऐस के साथ जीत हासिल कर ली, जिससे जोकोविच के पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

जोकोविच की एटीपी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा

बेसल से बाहर होना जोकोविच के लिए टयूरिन में होने वाले सीजन के आखिरी एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह में एक बड़ा झटका है। उनके पास खिताब जीतकर रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका था, खासकर राफेल जोडर की हार के बाद क्वालीफाई करने का रास्ता खुल गया था। इस हार के बाद, जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी से 319 अंक पीछे हैं, और एटीपी फाइनल्स से पहले पेरिस मास्टर्स आखिरी टूर्नामेंट है। एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोलैक्स पेरिस मास्टर्स 2 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाला है। जोकोविच तीन साल के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड छह बार खिताब जीता है। पेरिस में उनका शानदार प्रदर्शन टयूरिन में जगह पक्की करने की उनकी उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस विल, शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को भी बेसल में आयोजित हार का सामना करना पड़ा। उन्हें विरघ रैंकिंग में 222वें स्थान पर मौजूद स्विस् वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जेरोम किम से हार मिली।

मैच में 200 रन खा रहे, हार पर भड़के अख्यर, कहा- गेंदबाजी खराब हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। न्यूजीलैंड के दिए 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। हालांकि, पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में भारतीय टीम अभी भी 3-1 से आगे चल रही है। मैच के बाद कप्तान श्रेयस अख्यर ने हार स्वीकार करते हुए स्वीकार किया कि टीम की शुरुआत गेंदबाजी में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और पावरप्ले में ही मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर झुक गया।

अगले मैच से पहले तैयार होगी रणनीति

अगले मुकाबले की रणनीति और परिस्थितियों में ढलने को लेकर श्रेयस ने कहा, 'यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम कहाँ बेहतर कर सकते हैं। हैमिल्टन जाने से पहले हमारे पास एक दिन का ब्रेक है इसलिए हम रणनीति बनाएंगे और अगले मैच में अपनी पूरी क्षमता से अमल करने की कोशिश करेंगे। हम जानते थे कि इस मैदान के आयाम (बाउंड्री) अलग हैं और कुछ खिलाड़ी पहली बार ऐसे मैदानों पर खेल रहे थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'परिस्थितियों में ढलने में थोड़ा समय लगता है। शुरुआत के तीनों मैचों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा था, यह एक सीखने की प्रक्रिया है। उम्मीद है कि हम अगले मैच में सकारात्मक सोच के साथ वापसी करेंगे।'



ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी, गेंदबाजों पर फाड़ा बिल

मैच के बाद बात करते हुए कप्तान श्रेयस अख्यर ने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारी गेंदबाजी थोड़ी कमजोर रही। पावरप्ले में, खासकर तीसरे ओवर से उन्होंने जो लय हासिल की, उसके बाद कुछ गेंदबाजों ने वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी। उन्होंने कुछ ऐसे शॉट खेले जो देखना किसी आनंद से कम नहीं था। उन्हें इसका श्रेय जाता है, वह पूरी सीरीज में निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'

उपलब्धि...अर्शदीप सिंह ने तोड़ा जोश लिटिल का रिकॉर्ड



नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 38 रन देकर एक विकेट लिया। इस एक विकेट के दम पर वो भारत की तरफ से टी20आई में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने साथ ही साथ उन्होंने जोश लिटिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और एक कैलेंडर वर्ष में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर (फुल मेंबर टीम) भी बने। अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में एक विकेट लिया और वो एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने जोश लिटिल के द्वारा बनाया गया 4 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लिटिल ने साल 2022 में 39 विकेट लिए थे और अब वो दूसरे नंबर पर आ

गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वॉर्निडु हसरंगा हैं जिन्होंने साल 2024 में कुल 38 विकेट लिए थे जबकि भुवनेश्वर कुमार चौथे नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2022 में 37 विकेट हासिल किए थे।

अर्शदीप सिंह ने पूरे किए 150 विकेट

अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे मैच में एक विकेट लिया और वो भारत की तरफ से 150 विकेट लेने वाले टी20आई प्रारूप में पहले बॉलर बने। वो भारत की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने अब तक कुल 126 विकेट लिए हैं जबकि तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल हैं जिन्होंने अब तक कुल 116 विकेट लिए हैं।

पैन पैसिफिक ओपन: चोट के कारण हटी एलेना

टोक्यो। दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूँ। यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरजस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की समझदारी और समर्थन के लिए धन्यवाद।' फर्नांडीज अब सेमीफाइनल में रूस की लर्की लुजर कामिला राखिमोवा से भिड़ेंगी, जिसमें फाइनल में उनकी जगह दांव पर लगी है। राखिमोवा ने तीन सेट के मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर माया जॉइंट को



7-5, 5-7, 6-1 से हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

2026 यूएस ओपन चैंपियन के लिए एक अहम सप्ताह के बाद रिबाकिना को हटना एक झटका है। गुरुवार को, उन्होंने हमवतन यूलिया पुतिनस्त्वेवा को 70 मिनट में 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर में पहली बार साल के आखिर में टॉप रैंकिंग हासिल की। कजाख खिलाड़ी ने पुतिनस्त्वेवा के खिलाफ शानदार सर्विंग परफॉर्मेंस दी, जिसमें उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 75 प्रतिशत और दूसरे सर्व के पीछे 57 प्रतिशत पॉइंट्स जीते।

पाकिस्तान के लिए विदेशी कोच की तलाश करेगी पीसीबी

नई दिल्ली। लगातार निराशाजनक परिणामों के बावजूद पूर्व टेस्ट तेज गेंदबाज वहाब रियाज को टीम में बनाए रखने के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आखिरकार अपनी राष्ट्रीय महिला टीम के लिए एक विदेशी कोच की तलाश करने का फैसला किया है। बोर्ड के एक विश्वसनीय स्रोत ने शुक्रवार को बताया कि पीसीबी जल्द ही महिला टीम के मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा, जिसमें विदेशी उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी की संभावना है। स्रोत ने बताया, 'महिला टीम के अगले अंतरराष्ट्रीय दौर, जो कि वेस्ट इंडीज का दौरा है, से पहले यह नियुक्ति की जाएगी।' भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी महिला 50 ओवर विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नवंबर में मुख्य कोच मुहम्मद वसीम को हटाए जाने के बाद से वहाब पिछले दिसंबर से महिला टीम को सलाह दे रहे हैं। हालांकि, वहाब की कप्तानी में टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करने में विफल रही है।

हाइलो ओपन बैडमिंटन... सिंधु-लक्ष्य पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

नई दिल्ली। भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हाकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से



जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गई और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं।

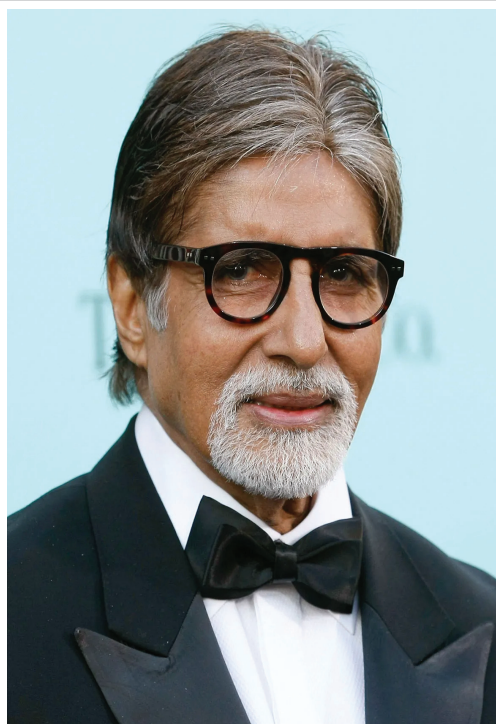
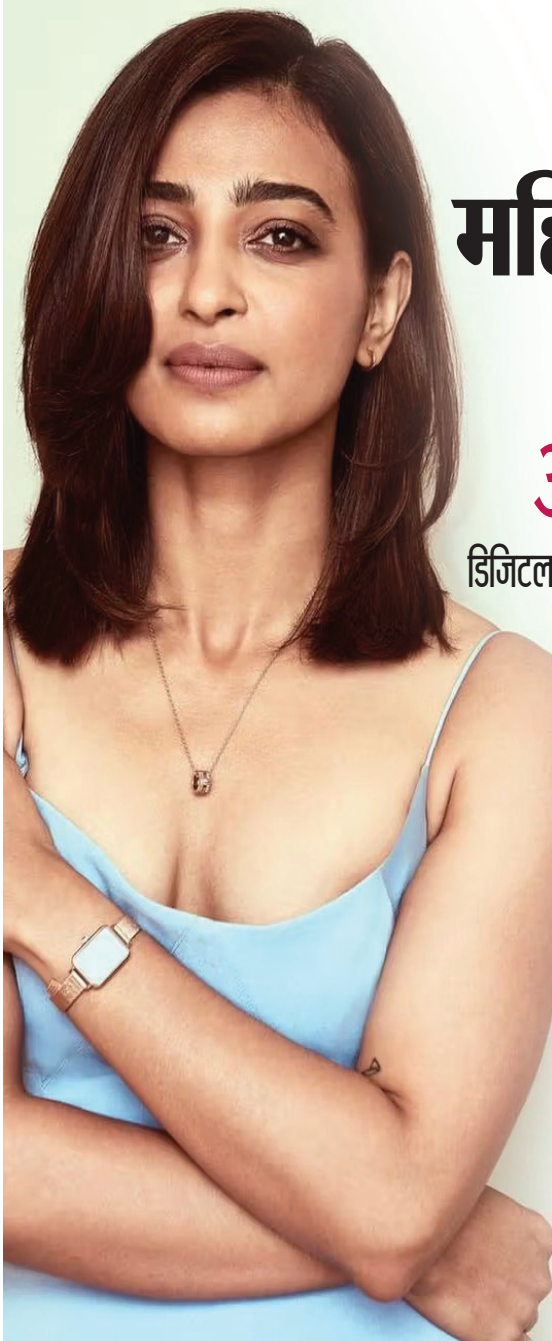


फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सुझबुझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहाँ से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवाल और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आँकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझ बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आँकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारीयों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कौमत्त पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठ पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी

से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेठ्री ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पुष्पभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम



फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।

अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी क्यू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस



मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिटाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार माएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांतवना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक साफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरें जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में



ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विगेट को फोटो विलक करने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।

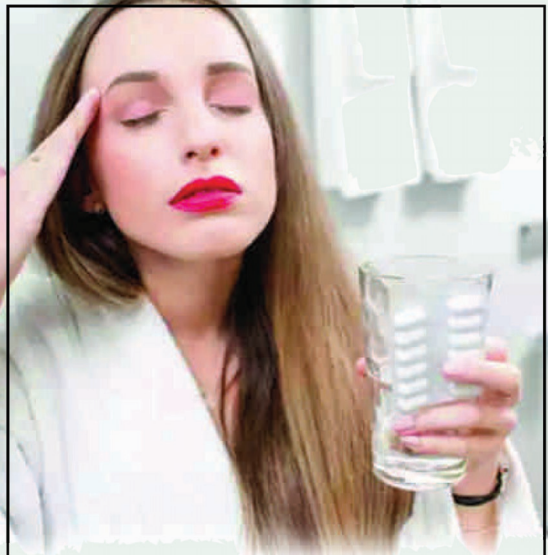
अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं,

सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है। ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने

शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो

सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम का करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।



क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।



मो

बाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरिफिकेशन टेकनीक



मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गंवा दी, यहां

ऐसे करें आंखों की देखभाल

के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखा होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बाँड़ी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।



स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी-बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैडेमिक के

शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट ?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंसाययर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेर कर सकें, बल्कि उन्हें इंसाययर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नोर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।



देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली

आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्यूटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चीकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-पब्लिस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बाँड़ी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिस नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा

खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक – वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्यूशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजुर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषित हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते हैं जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छीकना, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।



जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, परांठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुस्खाने – बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।